घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 184- बुधवार 06 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

ममता बोलीं...राज्यपाल को इस्तीफा देने नहीं जाऊंगी

हारे नहीं,हराया गया,काउंटिंग के दौरान पेट पर लात मारी,एसआईआर के बहाने 100 सीटें लूटीं

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी/चेन्नई, 05 मई 2026। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के एक दिन बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह इस्तीफा देने के लिए राजभवन नहीं जाएंगी। ममता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा...हम चुनाव हारे नहीं हैं, हराया गया है। ममता ने कहा- यह भाजपा और चुनाव आयोग के बीच साठगांठ का रिजल्ट है। उन्होंने काउंटिंग सेंटर तक कब्जा कर लिया। मेरे पेट और पीठ पर लात मारी। धक्का देकर बाहर निकाला। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग ने एसआईआर के बहाने 100 सीटें लूटीं। पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ चुके हैं। बंगाल में भाजपा ने पहली बार 294 में से 207 सीटों पर जीत दर्ज की है। राज्य में पहली बार भाजपा की सरकार बनने वाली है। टीएमसी सिर्फ 80 सीटें जीत सकी। 15 साल बाद ममता के हाथ सत्ता चली गई है। ममता ने कहा...इतिहास खुद को दोहराएगा। जब भाजपा केंद्र में सत्ता में नहीं रहेगी, तो उनको भी वही हालात झेलने पड़ेंगे। इतिहास खुद को दोहराएगा। जो बंगाल में हुआ,वह काला अध्याय है।

ममता बोलीं...अब मैं आजाद चिड़िया,अपने तरीके से काम करूंगी

ममता ने कहा– मेरा लक्ष्य बिल्कुल साफ है। अब मैं एक आम व्यक्ति की तरह INDIA गठबंधन को मजबूत करूंगी। अभी मेरे पास कोई पद नहीं है,इसलिए मैं एक सामान्य नागरिक हूं। मैंने अपना पूरा जीवन लोगों की सेवा में दिया है। इन 15 सालों में मैंने एक पैसा भी पेंशन नहीं लिया और न ही कोई वेतन लिया। अब मैं एक आजाद चिड़िया हूं, इसलिए जो काम करना है, वह मैं अपने तरीके से करूंगी।

ममता का आरोप...काउंटिंग सेंटर पर पेट और पीठ पर लात मारी

ममता ने कहा– हमें सोमवार को काउंटिंग रूम में नहीं जाने दिया गया। उन्होंने हमारे लोगों और काउंटिंग एजेंट्स को मारना शुरू कर दिया। 200 सीआरपीएफ और बाहर के गुंडों ने मारपीट की। जब मैं वहां पहुंची तो मेरी गाड़ी रोकी गई। DEO रणधीर ने पहले ही बता दिया था कि काउंटिंग में खेल होगा। उन्होंने हमारे एजेंट्स को काउंटिंग रूम के अंदर नहीं जाने दिया। मैं कुछ देर बाहर खड़ी रही। उन्होंने मेरे पेट और पीठ पर लात मारी। मुझे धक्का देकर निकाला।

ममता ने कहा...भाजपा ने बहुत गंदे और चालाक तरीके अपनाए...

ममता ने कहा...दुःख की बात है कि इस चुनाव में मुख्य चुनाव आयुक्त लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों और ईवीएम को लूटने में विलेन बन गए। हमने पूरे सिस्टम के खिलाफ लड़ाई लड़ी। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री भी इसमें सीधे तौर पर शामिल हैं। एसआईआर में 90 लाख नाम हटा दिए गए थे। जब हम कोर्ट गए, तब 32 लाख नाम वापस जोड़े गए। उन्होंने बहुत गंदे और चालाक तरीके अपनाए।

ममता ने कहा...भाजपा ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर गेम खेला

ममता ने कहा...चुनाव से दो दिन के पहले भाजपा ने बंगाल में लोगों की गिरफ्तारियां शुरू करवा दीं। भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर ये पूरा गेम खेल रही थी। पीएम मोदी और अमित शाह ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर 93 लाख लोगों के नाम एसआईआर से काट दिए। ममता ने कहा- मैंने अपने जीवन में ऐसा चुनाव कभी नहीं देखा। मैं 2004 में अकेली थी,लेकिन ऐसा कभी नहीं देखा।

तमिलनाडु : टीवीके विधायक दल के नेता चुने गए विजय,सरकार गठन की कवायद तेज

चेन्नई,05 मई 2026। चेन्नई के पनैयूर स्थित टीवीके मुख्यालय में पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक जारी है। इस बैठक में सरकार गठन को लेकर मंथन किया जा रहा है। बैठक के दौरान सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से विजय को तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) के विधानसभा दल का नेता चुन लिया है। विधानसभा चुनाव में 108 सीटों पर जीत हासिल करने के बाद टीवीके सरकार बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। विधायक दल का नेता चुने जाने के साथ ही यह लगभग तय माना जा रहा है कि विजय ही मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। तमिलनाडु में 23 तारीख को एक ही चरण में मतदान हुआ था और मतगणना के बाद जैसे-जैसे नतीजे सामने आए, टीवीके लगातार बढ़त बनाती रही। अंततः पार्टी 108 सीटों पर जीत दर्ज कर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। राज्य की 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत होती है, जबकि टीवीके फिलहाल इस आंकड़े से पीछे है। इसके बावजूद विजय जल्द ही राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते हैं। सरकार गठन के बाद विजय को निर्धारित समय सीमा के भीतर विधानसभा में बहुमत साबित करना होगा। इसके लिए टीवीके को अभी कम से

कम 10 अतिरिक्त विधायकों के समर्थन की आवश्यकता है। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम गठबंधन के कुछ दलों, जैसे कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों के साथ ही अखिल भारतीय द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) गठबंधन में शामिल पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) जैसे दलों का समर्थन मिलने की संभावना जताई जा रही है। यदि ऐसा होता है, तो विजय के नेतृत्व में राज्य में नई सरकार का गठन जल्द संभव हो सकता है।

हरियाणा के नूंह सड़क दुर्घटना में यूपी जालौन जिले में तैनात चार पुलिसकर्मियों समेत 5 की मौत

उरई/चंडीगढ़.05 मई 2026। हरियाणा के नूंह जिले में मंगलवार की सुबह कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ओवरटेक के चक्कर में एक अन्य वाहन से टकरा गई। इस हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के चार जवान समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी पुलिसकर्मी उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के मुख्यालय उरई में तैनात थे। बताया गया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उत्तर प्रदेश पुलिसकर्मियों की काली स्कॉर्पियो पलवल की ओर जा रही थी। तावडू सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धुलावट टोल प्लाजा के पास सुबह करीब साढ़े दस बजे कार के ड्राइवर ने सामने जा रहे एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया, लेकिन तेज रफ्तार के कारण वह संतुलन खो बैठा और उसने सामने के वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिस पर सवार सभी पांच लोग फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा। पांचों लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू टीम को मशक्कत करनी पड़ी। नूंह जिले के तावडू थाना प्रभारी शीशराम यादव ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए थे और पांचों लोग गाड़ी के मलबे में बुरी तरह फंसने से काल के गाल में समा गए।

इंडिगो फ्लाइट में पावर बैंक ब्लास्ट:5 पैसेंजर घायल,बैग में रखा था,हैदराबाद से चंडीगढ़ आए सभी 198 यात्रियों को इमरजेंसी गेट से निकाला

चंडीगढ़,05 मई 2026। हैदराबाद से चंडीगढ़ आ रही इंडिगो फ्लाइट 6ई 108 में मंगलवार को पावर बैंक में ब्लास्ट हो गया। इससे 5 यात्री घायल हो गए। पावर बैंक एक यात्री के बैग में रखा था। घटना उस समय हुई, जब फ्लाइट एयरपोर्ट पर खड़ी थी। हादसे के बाद फ्लाइट में धुआं भर गया, जिससे यात्री घबरा गए। यात्रियों को इमरजेंसी गेट से निकाला गया। कुछ फोटो भी लोगों ने शेयर किए हैं। जिसमें एक महिला को एंबुलेंस में रखा गया था। क्रू मेंबर्स ने तुरंत फायर सेफ्टी उपकरणों का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाया। अभी तक यह साफ नहीं हुआ के पावर बैंक ब्लास्ट कैसे हुआ। पुलिस और एयरपोर्ट अथारिटी की टीमें जांच कर रही है। इंडिगो की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तुरंत विमान खाली कराया गया और संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचना दी गई। सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से टर्मिनल तक पहुंचाया गया, जहां एयरलाइन की टीम उनकी सहायता में जुटी रही। एयरलाइन के अनुसार विमान को दोबारा संचालन में लाने से पहले जरूरी तकनीकी जांच की जाएगी। इंडिगो ने कहा कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सुप्रीम कोर्ट में बढ़ेगी जजों की संख्या अब होंगे कुल 38 न्यायाधीश

नई दिल्ली,05 मई 2026। केंद्रीय कैबिनेट ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाई जाएगी। वर्तमान में मुख्य न्यायाधीश सहित कुल 34 जज हैं। अब इस संख्या को बढ़ाकर 38 करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस निर्णय की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, 'वर्तमान में शीर्ष अदालत में 33 जज और एक सीजेआई हैं। जजों की संख्या में चार की बढ़ोतरी करने के लिए संसद के अगले सत्र में एक विधेयक लाया जाएगा।' संसद से मंजूरी मिलते ही सुप्रीम कोर्ट में प्रधान न्यायाधीश समेत कुल 38 जज हो जाएंगे। नियम 1956 के मूल स्वरूप में मुख्य न्यायाधीश के अलावा केवल 10 जजों का प्रावधान था। समय के साथ इसमें कई संशोधन हुए। 1960 में यह संख्या बढ़ाकर 13 की गई। बाद में एक अन्य संशोधन के जरिए इसे 17 कर दिया गया। 1986 में जजों की संख्या 17 से बढ़ाकर 25 की गई थी।

पश्चिम बंगाल में नई सरकार का शपथ ग्रहण नौ मई को

कोलकाता,05 मई 2026। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार के गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं और शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने जानकारी दी है कि राज्य के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण आगामी नौ मई को किया जायेगा।

हालांकि मुख्यमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। मंगलवार सुबह मीडिया से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष भट्टाचार्य ने बताया कि नौ मई का दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि उस दिन कविगुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती भी है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत बेहद समृद्ध रही है। राजाराम मोहन राय, सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ जैसी महान हस्तियों की यह भूमि है। राज्य की इसी गरिमा और पहचान को फिर से स्थापित करने की दिशा

में नई सरकार काम करेगी। सूत्रों के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह कोलकाता में आयोजित होगा, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रवासी मजदूरों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कई मुश्किलों के बावजूद अपने पैसे खर्च करके वोट डालने के लिए यात्रा की। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को वह सलाम करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दुनिया के कई हिस्सों जैसे टोरंटो, डलास, सिलिकॉन वैली, कोपेनहेगन, जर्मनी और यूके से भी लोग वोट देने आए। आगे उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य सिर्फ सरकार या मुख्यमंत्री बदलना नहीं है, बल्कि पूरे राजनीतिक माहौल को बदलना है, जो उनके मुताबिक सामाजिक रूप से दबाव वाला बन गया है।

भाजपा ने अमित शाह को बनाया पश्चिम बंगाल का केंद्रीय पर्यवेक्षक,जेपी नड्डा को असम का जिम्मा सौंपा

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली प्रचंड जीत के बाद अब प्रदेश में नई सरकार के गठन की तैयारी तेज हो गई है। इसी क्रम में अब भाजपा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पश्चिम बंगाल में केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इसके अलावा ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इसकी जानकारी भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी गई है। इसमें बताया गया है कि भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने पश्चिम बंगाल में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव हेतु केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। अमित शाह और ओडिशा के सीएम माझी मिलकर राज्य में विधायक दल की बैठक और नेतृत्व चयन की प्रक्रिया को पूरा कराएंगे। बता दें कि पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए भाजपा पहली बार सरकार बनाने जा रही है। चुनाव आयोग के मुताबिक,बंगाल में भाजपा को 207 सीटें मिली है, जबकि ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पार्टी को 80 सीटों पर जीत मिली है। इसके अलावा कांग्रेस को दो, सीपीआई (एम) को एक सीट मिली है। इसके साथ ही भाजपा ने असम में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वहीं, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। असम में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत की हैट्रिक लगाई है। एनडीए ने 126 विधानसभा सीटों में 102 सीटों पर जीत दर्ज की। भाजपा ने 82 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि उसके सहयोगी दलों बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) और असम गण परिषद (एजीपी) को 10-10 सीट पर जीत मिली है। वहीं कांग्रेस पार्टी को 19 सीटों पर जीत मिली है।

सुप्रीम कोर्ट बोला...पीआईएल अब पैसा इंटरेस्ट लिटिगेशन बनी,सबरीमाला केस में वकीलों ने याचिका लगाई

नई दिल्ली,05 मई 2026। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (जनहित याचिका) अब प्राइवेट इंटरेस्ट और पब्लिसिटी इंटरेस्ट, पैसा इंटरेस्ट लिटिगेशन और पॉलिटिकल इंटरेस्ट लिटिगेशन बन गई हैं। यह कमेंट नौ जजों की संविधान बेंच ने केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई के दौरान किया। कोर्ट ने इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन के 2006 के पीआईएल के मकसद पर सवाल उठाया, जिसमें केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 साल की महिलाओं के प्रवेश पर रोक को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि पीआईएल कानून की प्रोसेस का गलत इस्तेमाल है और एसोसिएशन को ऐसी पीआईएल फाइल करने के बजाय बार और अपने युवा सदस्यों की भलाई के लिए काम करना

चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में धार्मिक जगहों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और अलग-अलग धर्मों में धार्मिक आजादी के दायरे से जुड़ी याचिकाओं पर 11वें दिन की सुनवाई चल रही है। सितंबर 2018 में 5 जजों की संविधान बेंच ने 4:1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए सबरीमाला अयप्पा मंदिर में 10 से 50 साल की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। तब कोर्ट ने कहा था कि सदियों पुरानी हिंदू धार्मिक प्रथा गैर-कानूनी और असंवैधानिक है। एसोसिएशन के वकील ने दलील दी कि पीआईएल जून 2006 में छपे चार अखबारों के आर्टिकल पर आधारित थी।

यूएई पर हमला...पीएम मोदी बोले...नागरिकों और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले 'अस्वीकार्य'

ईरान के हमले में तीन भारतीय हुए घायल...तनाव बढ़ा

नई दिल्ली,05 मई 2026। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह स्थित ऑयल पोर्ट पर हुए हमले को लेकर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। ईरान पर लगाए गए इस हमले के आरोप के बीच भारत सरकार ने कहा कि इस घटना में तीन भारतीय नागरिकों का घायल होना गंभीर चिंता का विषय है और इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करते हुए इस हमले पर प्रतिक्रिया दी और स्पष्ट कहा, 'यूएई पर हुए हमलों की मैं कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें 03 भारतीय नागरिक घायल हो गए हैं। इस तरह से आम लोगों और इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना मंजूर नहीं है। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने की अपील की। इससे पहले भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए सभी पक्षों को तुरंत हिंसा रोकनी चाहिए और कूटनीति के माध्यम से समाधान तलाशना चाहिए। भारत ने

विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में निर्बाध समुद्री आवाजाही सुनिश्चित करने पर जोर दिया, जिसे वैश्विक व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। जानकारी के अनुसार,यह हमला फुजैराह ऑयल इंडस्ट्रियल जोन को निशाना बनाकर किया गया, जिसमें बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन का इस्तेमाल हुआ। अमीराती अधिकारियों का दावा है कि उनकी हवाई रक्षा प्रणाली ने अधिकांश मिसाइलों को बीच में ही नष्ट कर दिया,लेकिन उनका मलबा गिरने के कारण कुछ स्थानों पर नुकसान हुआ। वहीं अबू धाबी स्थित भारतीय दूतावास ने पुष्टि की है, कि इस हमले में तीन भारतीय घायल हुए हैं और उनके इलाज के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। दूतावास ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए इस घटना को 'पूरी तरह अस्वीकार्य' बताया और नागरिकों को निशाना बनाने की निंदा की। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय ने भी इस हमले को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बताया है। मंत्रालय ने इसे 'विश्वासघाती कार्रवाई' करार देते हुए कहा कि देश अपनी सुरक्षा के लिए जवाबी कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इस बीच, ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अपने नौसैनिक परिचालन क्षेत्र का विस्तार किया है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। यह घटनाक्रम खाड़ी क्षेत्र में पहले से मौजूद भू-राजनीतिक तनाव को और गहरा कर सकता है।

कैबिनेट के फैसला...गन्ना और कपास किसानों को बड़ी सौगात,दो नई सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी

नई दिल्ली,05 मई 2026। भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति देने और प्रमुख औद्योगिक व कृषि क्षेत्रों को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से, केंद्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण आर्थिक फैसलों पर मुहर लगाई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद इन महत्वपूर्ण फैसलों की जानकारी दी। इन फैसलों में मुख्य रूप से विमानन क्षेत्र, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), कृषि नीतियां और समुद्री बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर) शामिल हैं,जो देश के समग्र विकास और रोजगार सृजन को रफ्तार देने के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

1.52 लाख करोड़ रुपये के खर्च को मंजूरी : केंद्र सरकार की कैबिनेट ने हालिया बैठक में कई अहम फैसलों को मंजूरी दी है, जिन पर कुल लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कपास उत्पादन बढ़ाने के लिए 'कपास कांती मिशन' पर 5,659 करोड़ रुपये

खर्च होंगे, वहीं 2026-27 सीजन के लिए गन्ने के उचित एवं लाभकारी मूल्य से जुड़ा फैसला भी लिया गया है। आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिए ECLGS-5 योजना पर 18,100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर वडिनार में शिप रिपेयर सुविधा (1,570 करोड़ रुपये) और कई रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, जिनमें नागदा-मथुरा, गुंटकल-वाडी और बुरहवाल-सीतापुर रेल लाइनों के विस्तार पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा सेमीकंडक्टर सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए क्रिस्टल मैट्रिक्स लिमिटेड और सुची सेमिकॉन प्राइवेट लिमिटेड की यूनिट्स पर भी निवेश किया जाएगा। वहीं सुप्रीम कोर्ट को मजबूत करने से जुड़ा एक नीतिगत निर्णय भी शामिल है। इन फैसलों से कृषि, उद्योग और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में व्यापक असर देखने को मिल सकता है।

कपास क्रांति' से बदलेगी 32 लाख किसानों की किस्मत : देश के 32 लाख कपास किसानों को सीधा फायदा पहुंचाने के लिए कैबिनेट ने 'कपास क्रांति' नाम से एक ऐतिहासिक पहल को मंजूरी दी है। मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, भारत वर्तमान में 297 लाख गांठ उत्पादन के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपास उत्पादक देश है। हालांकि, 2030-31 तक कपास की यह मांग बढ़कर 450 लाख गांठ तक पहुंचने का अनुमान है। इस बढ़ती मांग को पूरा करने और क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए सरकार ने 5,669 करोड़ रुपये की एक विस्तृत परियोजना को मंजूरी दी है।

सेमीकंडक्टर यूनिट्स और वडीनार में जहाज मरम्मत सुविधा

तकनीकी और समुद्री इंफ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर भी सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। कैबिनेट ने 3,936 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत के साथ 'क्रिस्टल' और 'सूचि' नामक दो नई सेमीकंडक्टर इकाइयों को स्थापित करने की मंजूरी दी है। इसके साथ ही, समुद्री बुनियादी ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने के लिए गुजरात के वडीनार में एक नई जहाज मरम्मत सुविधा स्थापित करने का भी फैसला लिया गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इसके लिए 1,570 करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है, जो भारत की समुद्री मरम्मत क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

पश्चिम एशिया के तनाव के बीच आपातकालीन ऋण योजना

भू-राजनीतिक उथल-पुथल का संज्ञान लेते हुए सरकार ने घरेलू उद्योगों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने का भी निर्णय लिया है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पश्चिम एशिया में चल रहे मौजूदा संघर्ष के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण 'आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना' को स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इससे वैश्विक संकट के समय में उद्योगों को नकदी की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा और उनका संचालन सुचारू रूप से चलता रहेगा।

कृषि (कपास): 5,669 करोड़ रुपये के निवेश से उत्पादन तकनीक और अनुसंधान में वृद्धि होगी, जिससे भारत 2030-31 तक 450 लाख गांठ कपास की मांग पूरी करने में सक्षम होगा।

तकनीक (सेमीकंडक्टर): 3,936 करोड़ रुपये से बनने वाले 'क्रिस्टल' और 'सूचि' प्रोजेक्ट्स से भारत सेमीकंडक्टर हब बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ेगा।

संपादकीय

बंगाल में भाजपा ने किया कमाल

यदि पांच राज्यों-पश्चिम बंगाल,तमिलनाडु,केरलम,असम और पुडुचेरी के चुनाव परिणामों को समग्र रूप में देखा जाए, तो एक व्यापक तस्वीर उभरती है। इस तस्वीर में दो घटनाएं विशेष रूप से ऐतिहासिक प्रतीत होती हैं-बंगाल में भाजपा की उल्लेखनीय बढ़त और तमिलनाडु में थलापति विजय की पार्टी टीवीके का प्रभावशाली प्रदर्शन। हालांकि असम में भाजपा की लगातार तीसरी जीत भी महत्वपूर्ण है, लेकिन बंगाल और तमिलनाडु की घटनाएं राजनीतिक दृष्टि से अधिक दूरगामी प्रभाव वाली हैं। बंगाल में एक बड़े मुस्लिम मतदाता वर्ग के तृणमूल कांग्रेस के संगठित समर्थन के बावजूद भाजपा की बढ़त सामान्य घटना नहीं।

वैसे तो असम में भी उल्लेखनीय मुस्लिम आबादी के बावजूद भाजपा की जीत ने कई स्थापित राजनीतिक मिथकों को तोड़ा है,पर असम और बंगाल की राजनीति के स्वरूप और सत्ता संरचना में मौलिक अंतर है। बंगाल में ममता बनर्जी ने जिस प्रकार का राजनीतिक माहौल और सत्ता संरचना विकसित की थी, उसमें किसी अन्य दल के लिए प्रभावी चुनौती पेश करना कठिन था। ऐसे में भाजपा की यह सफलता केवल चुनावी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक बड़े परिवर्तन का संकेत है कि बंगाल की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

पिछले एक दशक से चुनावी रुझानों का यह एक प्रमुख पहलू लगभग हर राज्य में दिखाई देता है कि हिंदुत्व, संस्कृति और धार्मिक पहचान के प्रति हिंदुओं के एक व्यापक पुनर्जागरण ने एक स्थायी मतदाता आधार का निर्माण किया है। यह आधार ऐसा है, जो संतुष्टि, असंतोष या आंशिक नाराजगी के बावजूद किसी न किसी रूप में भाजपा या उसके सहयोगी दलों के पक्ष में झुकाव बनाए रखता है और कई बार उसकी अनुपस्थिति में वैचारिक रूप से निकट दलों की ओर भी स्थानांतरित हो जाता है।

यह प्रवृत्ति पांचों राज्यों के चुनावों में भी देखने को मिली। भाजपा स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दों को उठाने के साथ-साथ चुनावी विमर्श को राष्ट्रीय विषयों से जोड़ने की रणनीति अपनाती रही है। इससे मतदाताओं के साथ उसका सीधा भावनात्मक और वैचारिक संवाद स्थापित होता है। भाजपा ने बंगाल और असम में राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसांख्यिकीय संतुलन जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उभारा, जो चुनावी एजेंडे के केंद्र में रहे। मोदी सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तीकरण से जुड़े कार्यक्रमों ने भी चुनावी माहौल को प्रभावित किया। इन्होंने महिला मतदाताओं के बीच एक सकारात्मक संदेश देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वास्तव में बंगाल के परिणाम ने केवल उन्हें ही चौंकाया है, जो जमीनी सच्चाई के साथ मतदाताओं और विशेष रूप से हिंदुओं के बड़े वर्ग के अंदर बदलाव की छटपटाहट को महसूस नहीं कर रहे थे। तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल की सत्ता और पूरी राजनीति को निहित स्वार्थी तत्वों के हाथों में सौंप दिया था। इससे कट्टरपंथी तत्वों को मिले प्रत्यक्ष-परोक्ष संरक्षण और प्रोत्साहन के कारण पूरे प्रदेश में सांप्रदायिक भय और तनाव की स्थिति में कायम हो गई थी। वे कहने लगे थे कि मतदाता अपनी इच्छा से नहीं,तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की चाहत से मतदान करें या घर बैठें,अन्यथा हिंसा,दमन,उत्पीड़न और पलायन का दंश झेलें।

साइलेंट रिगिंग बंगाल की मुख्य चुनावी प्रवृत्ति रही है। पहले इसी रास्ते वाम मोर्चा ने लगातार जीत सुनिश्चित की और फिर ममता ने भी अपनी पूरी पार्टी को उससे ज्यादा हिंसक और दमनकारी तत्वों में परिणत कर दिया। पलायन या हिंसा की सर्वाधिक शिकार महिलाएं होती हैं। इसी कारण इनका बहुत बड़ा मत तृणमूल के बजाय भाजपा को गया। जो लोग भाजपा पर हिंदुओं के ध्रुवीकरण का आरोप लगा रहे हैं, वे सतही विश्लेषण कर रहे हैं। वास्तव में बंगाल में राजनीतिक संघर्ष वास्तविक लोकतंत्र की पुनर्स्थापना तथा सत्ता संस्कृति को सर्वसमावेशी बनाने का था। यह जिम्मेदारी मुख्यतः प्रदेश के हिंदुओं को ही लेनी थी। हिंदुओं के अंदर अगर यह भाव पैदा हुआ कि इस सरकार के रहते हमारा अस्तित्व संकट में है, तो इसके कारण अत्यंत गहरे हैं।

बांग्लादेश की हिंसक घटनाओं ने हिंदुओं के इस मनोविज्ञान को सशक्त किया कि हमें कुछ हद तक जान की बाजी लगानी होगी। इसके अलावा एसआइआर में मृत,संदिग्ध और स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने के कारण फर्जी मतदाताओं का खेल खत्म हो गया। सवा दो लाख केंद्रीय बलों की उपस्थिति, चुनाव के बाद भी सुरक्षा बलों के बने रहने की घोषणा, दूसरे राज्यों के अधिकारियों की चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्ति, प्रदेश के अधिकारियों का व्यापक पैमाने पर स्थानांतरण या चुनाव प्रक्रिया तक कार्य मुक्ति तथा चुनावी हिंसा वाले चिह्नित व्यक्तित्वों के विरुद्ध कार्रवाई एवं सतर्क दृष्टि आदि ने भय और संशयग्रस्त मतदाताओं के अंदर सुरक्षा को लेकर आश्वस्त किया, जिससे चुनावी माहौल में बड़ा परिवर्तन आया। भाजपा ने प्रधानमंत्री मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मतदाताओं को पहले दिन से यह विश्वास दिलाने की रणनीति अपनाई कि हम सत्ता में आ रहे हैं तथा किसी के साथ अन्याय हुआ तो पूरी पार्टी खड़ी रहेगी। इन सबके कारण ही बंगाल में यह असंभव-सा लगने वाला सत्ता परिवर्तन हुआ है।

पत्रकारिता केवल माइक या कैमरे का खेल नहीं

प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

आज के डिजिटल युग में सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज़ और व्यापक हो चुका है... स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच दे दिया है...एक ओर यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है,वहीं दूसरी ओर यह स्थिति कई गंभीर चुनौतियाँ भी लेकर आई है... विशेषकर तब, जब कुछ लोग मात्र 100-200 रुपये के माइक और कैमरे के सहारे स्वयं को "पत्रकार" घोषित कर लेते हैं और बिना किसी जिम्मेदारी के सूचनाएँ प्रसारित करने लगते हैं...यह समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं,बल्कि उस सोच की है,जो पत्रकारिता को एक जिम्मेदार सामाजिक दायित्व की बजाय व्यूज़ और लाइक्स के खेल में बदल देती है...

हर हाथ में माइक,हर आवाज़ पत्रकार नहीं... व्यूज़ के खेल में तथ्यहीन रिपोर्टिंग से कमज़ोर होता जनविश्वास

डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता को लोकतांत्रिक बनाया है। अब केवल बड़े मीडिया हाउस ही सूचना के वाहक नहीं रहे,बल्कि आम नागरिक भी घटनाओं को रिकॉर्ड कर समाज के सामने ला सकते हैं। कई बार यही नागरिक पत्रकारिता उन मुद्दों को उजागर करती है,जिन्हें मुख्यधारा का मीडिया नजरअंदाज कर देता है। यह बदलाव लोकतंत्र के लिए शक्ति का स्रोत भी है, क्योंकि इससे आवाज़ों की विविधता बढ़ती है और सत्ता के हर स्तर पर जवाबदेही की मांग मजबूत होती है। लेकिन यही खुलापन जब बिना जिम्मेदारी के इस्तेमाल होता है, तो यही ताकत कमजोरी में बदल जाती है।

आज सोशल मीडिया पर वायरल होना ही सफलता का पैमाना बन गया है। इस दौड़ में कुछ लोग विवाद, सनसनी और अधूरी जानकारी के सहारे लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश करते हैं। वे जानते हैं कि तीखी भाषा, आरोप और उत्तेजना लोगों का ध्यान खींचती है,इसलिए वे तथ्यों की बजाय भावनाओं को उकसाने पर अधिक जोर देते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि समाज में भ्रम फैलता है और सच-झूठ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। लोग बिना पुष्टि किए ही किसी भी सूचना को सच मान लेते हैं, जिससे अफवाहें तेजी से फैलती हैं और उनका प्रभाव गहरा होता जाता है।

इसका सीधा असर सरकारी संस्थाओं पर भी पड़ता है। सरकारी संस्थाएँ किसी भी राष्ट्र की प्रशासनिक रीढ़ होती हैं और उनका उद्देश्य जनसेवा है। यदि उनके

बारे में गलत या भ्रामक जानकारी फैलती है,तो जनता का विश्वास कमजोर होता है। यह विश्वास किसी एक खबर से नहीं, बल्कि लगातार फैलती अधूरी या भ्रामक सूचनाओं से धीरे-धीरे क्षीण होता है। परिणामस्वरूप,लोग व्यवस्था पर संदेह करने लगते हैं,जो अनावश्यक टकराव और असंतोष को जन्म दे सकता है। यह भी उतना ही सच है कि सरकारी संस्थाएँ त्रुटिहीन नहीं हैं,लेकिन उनकी कमियों को उजागर करने का तरीका तथ्यपूर्ण और जिम्मेदार होना चाहिए,न कि केवल सनसनी के लिए। हर छोटे माइक वाले व्यक्ति को नकली पत्रकार कहना भी उतना ही गलत है, जितना हर वायरल खबर को सच मान लेना। पत्रकारिता का मूल्य उपकरणों से नहीं, बल्कि दृष्टिकोण,ईमानदारी और जिम्मेदारी से तय होता है। कई बार छोटे और स्वतंत्र पत्रकार ही जमीनी सच्चाई सामने लाते हैं, जबकि बड़े संस्थान भी कभी-कभी दबावों में चूक कर बैठते हैं। इसलिए समस्या को छोटे बनाम बड़े के रूप में देखने के बजाय जिम्मेदार बनाम गैर-जिम्मेदार के रूप में समझना अधिक उचित है। असली संकट पत्रकारिता के मूल्यों में गिरावट का है,जहाँ नैतिकता और तथ्य-जांच की जगह जल्दबाजी और लोकप्रियता ने ले ली है।

समाधान किसी एक कदम में नहीं छिपा है;यह सामूहिक प्रयास से ही संभव है। सबसे पहले समाज को मीडिया साक्षर बनना होगा, ताकि लोग हर सूचना को बिना जांचे-परखे स्वीकार न करें। उन्हें समझना होगा कि किसी खबर की विश्वसनीयता उसके स्रोत, प्रमाण और संदर्भ से तय होती है,न कि उसके वायरल होने से। साथ ही, फर्जी खबर फैलाने वालों पर सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई भी जरूरी है,ताकि यह स्पष्ट संदेश जाए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और भ्रामक कंटेंट पर नियंत्रण के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करना होगा।

पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रशिक्षण और नैतिक मानकों की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है। पत्रकार बनने के लिए औपचारिक डिग्री अनिवार्य नहीं हो सकती, लेकिन बुनियादी समझ,तथ्य-जांच की प्रक्रिया और समाज के प्रति जिम्मेदारी का बोध होना आवश्यक है। इसके साथ ही, जो लोग ईमानदारी और संतुलन के साथ काम कर रहे हैं,उन्हें प्रोत्साहित करना भी उतना ही जरूरी है,ताकि सकारात्मक उदाहरण स्थापित हो सकें। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता संतुलन की है। न तो हर छोटे पत्रकार को खारिज करना उचित है,और न ही हर खबर पर आंख मूंदकर विश्वास करना। हमें यह स्वीकार करना होगा कि सूचना का यह नया युग अवसर और खतरे दोनों लेकर आया है। इसे रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसे सही दिशा जरूर दी जा सकती है–और यह दिशा तभी संभव है जब समाज, मीडिया और शासन तीनों अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को समझें।

अंततः पत्रकारिता केवल माइक या कैमरे का खेल नहीं है, बल्कि यह सत्य के प्रति प्रतिबद्धता है। यदि यह प्रतिबद्धता कमजोर पड़ती है, तो पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है। सरकारी संस्थाओं की आलोचना जरूरी है, लेकिन वह तथ्य और संतुलन पर आधारित होनी चाहिए। वहीं, समाज को भी यह समझना होगा कि हर आवाज़ को एक ही नजरिए से नहीं देखा जा सकता। असली संघर्ष नकली बनाम असली का नहीं, बल्कि सत्य बनाम सनसनी का है–और इस संघर्ष में वही आगे बढ़ेगा, जो जिम्मेदारी,ईमानदारी और विवेक को अपना आधार बनाएगा।

महंगी पसंद,ऊँची स्थिति व्यक्तित्व का वित्तीय और मानसिक आइना

डॉ मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्य प्रदेश

आपकी सोच और ऊंचे दर्जे के चुनाव,जूते,घड़ी, बेल्ट,पेन,मोबाइल,हेयरस्टाइल,आपके कपड़े और आपका आत्मविश्वास ये केवल आपकी ज़रूरतें नहीं हैं,बल्कि यह उस ऊँची स्थिति और अनुभव का जीवंत प्रमाण हैं जिसे आपने अपने जीवन में हासिल किया है। अक्सर लोग सस्ता चुनकर अपनी मानसिकता को कामचलाऊ बना लेते हैं,लेकिन एक अनुभवी और रसूखदार व्यक्ति जानता है कि सस्ता होना कहीं न कहीं एक साधारण और सीमित स्थिति का संकेत है,जबकि गुणवत्तापूर्ण और महंगी चीज़ें आपकी असली ओकात और आपके परिपक्व अनुभव को उजागर करती हैं। आपके पैरों में मौजूद शानदार जूते आपकी आर्थिक स्थिति और गरिमा तय करते हैं,तो कलाई पर बंधी एक महंगी घड़ी आपके समय की कीमत और आपके अनुशासन का

डंका बजाती है। आपकी जेब में लगा एक प्रीमियम पेन आपकी बौद्धिक गहराई और आपकी निर्णय लेने की क्षमता का प्रतीक है,वहीं एक हाई-एंड मोबाइल आपकी आधुनिकता और आपकी मज़बूत वित्तीय पकड़ को दर्शाता है। आपकी बेल्ट और कपड़ों की फिटिंग में छिपा एलीट अहसास यह बताता है कि आप बारीक विवरणों पर कितनी पैनी नज़र रखते हैं और आप खुद को कितना महत्व देते हैं। एक सलीके से संवरा हुआ हेयरस्टाइल आपकी ग्रूमिंग के प्रति गंभीरता को दर्शाता है,जो सीधे तौर पर आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा से जुड़ा है। इन सभी श्रेष्ठ साधनों से पैदा होने वाला अजेय आत्मविश्वास ही वह अंतिम तत्व है जो आपको भीड़ से अलग एक हाई-वैल्यू इंसान के रूप में स्थापित करता है। अंततः गुणवत्ता का अनुभव ही आपके व्यक्तित्व का असली आइना है,क्योंकि जब आपकी पसंद एक्सपेंसिव और बेहतरीन होती है,तो समाज को आपकी सफलता और आपकी ऊँची स्थिति को स्वीकार करने के लिए किसी शब्दों की आवश्यकता नहीं पड़ती।

बीजेपी की 'वोट चोरी' के खिलाफ क्यों कोई 'जेपी-अन्ना' सामने नहीं आता

संजय सक्सेना
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

भारत की पवित्र भूमि सदैव संतों, साधुओं और महानायकों की धरोहर रही है। हर कोने में ऐसे पराक्रमी पुरुष और नारियां जन्म लेती रही हैं जिन्होंने देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराया। अंग्रेजी राज के विरुद्ध महात्मा गांधी,भगत सिंह,चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों ने प्राणों की बाजी लगा दी। आजादी के बाद भी जब सत्ता के नशे में कोई सरकार तानाशाही का रंग दिखाने लगी,तब लोकनायक जयप्रकाश नारायण 'जेपी' जैसे योद्धाओं ने सत्ता की नींव हिला दी। 1975 में जब इंदिरा गांधी ने न्यायालय के एक निर्णय के विरुद्ध पूरे देश पर आपातकाल थोप दिया,तो जयप्रकाश नारायण ने ऐसा प्रलयंकारी आंदोलन खड़ा किया कि कांग्रेस की सत्ता जड़ से उखड़ गई। इस आंदोलन में कांग्रेस छो कर आए विपक्ष के अनेक प्रमुख नेता शामिल हुए। इनमें आचार्य जे.बी. कृपलानी,मोरारजी देसाई,अटल बिहारी वाजपेयी,लाल कृष्ण आडवाणी,चरण सिंह, जॉर्ज फर्नांडिस,मधु लिमये,राज नारायण, कर्पूरी ठाकुर,शरद जोशी,दीनदयाल उपाध्याय के अनुयायी और भी कई दिग्गज थे। इन सबने जयप्रकाश के नेतृत्व में एकजुट होकर तानाशाही के विरुद्ध जनसैलाब खड़ा कर दिया। यह घटना भले ही पचास वर्ष पुरानी हो,किंतु इसके समान अनेक आंदोलनों ने देश की राजनीति को नई दिशा दी है। लेकिन सवाल यह है कि आज जब कांग्रेस और विपक्ष के अन्य नेता लगातार भारतीय जनता पार्टी पर वोट चोरी से सत्ता हथियाने का आरोप लगा रहा है, तब बीजेपी विरोधी नेता मीडिया में शोर मचाने की बजाय जनता को संगठित कर आंदोलन क्यों नहीं खड़ा कर रहे हैं? क्या विपक्ष में जयप्रकाश जैसा कोई नायक नहीं है? या फिर भारतीय जनता पार्टी को देष की जनता उसकी विचारधारा के चलते हाथों हाथ ले रही है। इसी का परिणाम है पश्चिम बंगाल में पहली बार बीजेपी की सरकार का आना और असम में बीजेपी का हैट्रिक लगाना। बीजेपी की इस जीत को विपक्ष बीजेपी की वोट चोरी बता रहा है।

जयप्रकाश का ऐतिहासिक विद्रोह

भारत माता की गोद में एक कायस्थ परिवार में जन्मे जयप्रकाश नारायण,जिन्हें सब लोकनायक कहते थे, स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख सिपाही रहे। बिहार भूमि के इस सपूत ने गांधीजी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजी हुकूमत को ललकारा। आजादी मिलने के बाद वे समाजवादी धारा के प्रखर नेता बने। 1971 के चुनावों में कांग्रेस की प्रचंड विजय के बाद भ्रष्टाचार और कुशासन चरम पर पहुंच गया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अमान्य घोषित कर दिया। इससे घबराई इंदिरा ने 25 जून को पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। प्रेस पर ताले लग गए, विपक्षी नेताओं को जेलों में ठूंस दिया गया। संपूर्ण अधिकार निलंबित हो गए। इसी अंधेरे में जयप्रकाश नारायण ने पटना के गांधी मैदान से विद्रोह का बिगुल फूंक दिया। उनका नारा था, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। इस आंदोलन ने राष्ट्रीय स्वरूप ग्रहण कर लिया। बिहार से शुरू होकर गुजरात,उत्तर प्रदेश,कर्नाटक तक फैल गया। छात्र,किसान,मजदूर,बुद्धिजीवी सब से कों पर उतर आए। जयप्रकाश ने सम्पूर्ण क्रांति का मंत्र दिया, जिसमें राजनीतिक, आर्थिक,सामाजिक,सांस्कृतिक,बौद्धिक, शैक्षिक सभी क्षेत्रों में परिवर्तन की बात थी। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस आंदोलन से प्रभावित होकर दलबदल लिया। मोरारजी देसाई जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी ने त्यागपत्र दे दिया। आचार्य कृपलानी ने भारतीय लोक दल बनाया। चरण सिंह किसान नेता के रूप में आगे आए। जनसंघ के अटल बिहारी

वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी ने इस आंदोलन में पूरे जोश से भाग लिया। समाजवादी धड़ से जॉर्ज फर्नांडिस,मधु लिमये ने भूमिगत रहकर आंदोलन चलाया। राज नारायण ने इंदिरा को हराकर लोकसभा पहुंचे। इन सबने मिलकर 1977 के चुनावों में कांग्रेस को धूल चटा दी। जनता पार्टी बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री। जयप्रकाश का आंदोलन सिद्ध करता है कि जनशक्ति सत्ता को घुटनों पर ला सकती है।

अन्य ऐतिहासिक आंदोलन

जयप्रकाश का आंदोलन अकेला नहीं था। भारत ने अनेक बार जन आक्रोश देखा है जो सत्ताधारियों को झुकने पर मजबूर कर गया। 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों के विरुद्ध वी.पी. सिंह सरकार के विरुद्ध लालकृष्ण आडवाणी ने रथ यात्रा निकाली। यह राम जन्मभूमि आंदोलन का रूप ले लिया। लाखों कारसेवक अयोध्या पहुंचे। इससे भाजपा मजबूत हुई और सरकार गिरी। 2011 में अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध रामलीला मैदान में अनशन किया। लाखों लोग दिल्ली की सड़कों पर उतरे। संसद में लोकपाल विधेयक पर बहस छिड़ गई। यूपीए सरकार को घुटने टेकने पड़े। अन्ना को जनता का दूसरा जयप्रकाश कहा गया। 1974 के गुजरात नवनिर्माण आंदोलन में छात्रों ने मोरारजी देसाई के नेतृत्व में चिमनभाई पटेल सरकार गिराई। यह जयप्रकाश आंदोलन का पूर्व संकेत था। 1980 के दशक में किसान आंदोलनों ने महाराष्ट्र,पंजाब,उत्तर प्रदेश में सरकारों को हिलाया। शरद जोशी के शेतकारी संगठन ने महाराष्ट्र में खाद्य नीति बदली। 1992 के बाद भी बाबरी विध्वंस के बाद कई राज्य सरकारें बदलीं। 2019-2020 में नागरिकता संशोधन विधेयक के विरुद्ध शाहीन बाग में महिलाओं ने महीनों धरना दिया। इससे भाजपा को कई सीटें गंवानी पे ीं। 2020-2021 के किसान आंदोलन ने तीन कृषि कानूनों को रद्द करा दिया। राकेश टिकैत जैसे नेता उभरे। दिल्ली की सीमाओं पर लाखों किसान डटे रहे। मोदी सरकार को कानून वापस लेने पे ़े। ये उदाहरण सिद्ध करते हैं कि संगठित जनआंदोलन किसी भी सत्ता को डिगमगा सकता है। मीडिया शोर से कुछ नहीं होता, से क पर जनता उतरे तो परिवर्तन होता है।

विपक्ष का बीजेपी पर वोट चोरी आरोप

आजादी के 79 वर्ष बाद भी राजनीति में वही पुरानी बीमारियां हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्ष ने भाजपा पर मतों की चोरी का आरोप लगाया। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर संदेह जताया। कई स्थानों पर मतगणना में विसंगतियां बताईं। कांग्रेस,समाजवादी पार्टी,तृणमूल, द्रमुक जैसे दल सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। किंतु कोर्ट ने याचिकाएं खारिज कर दीं। विपक्ष मीडिया स्टूडियो में चीखता-चिल्लाता रहता है। टेलीविजन बहसों में आरोप लगाता है, किंतु सड़क पर कोई बड़ा आंदोलन नहीं। क्या कारण है? जयप्रकाश जैसा नायक क्यों नहीं उभर रहा? क्या विपक्ष में एकजुटता की कमी है? क्या नेता स्वार्थी हो गए हैं? जयप्रकाश के समय विपक्ष के नेता व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा त्याग कर एकजुट हुए थे। आज प्रत्येक दल अपनी कुर्सी बचाने में लगा है। राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, स्टालिन जैसे नेता अलग-अलग बयानबाजी करते हैं। कोई राष्ट्रीय नेता आगे नहीं आ रहा जो सभी को एक सूत्र में बांधे। वोट चोरी के प्रमाण जुटाने के बजाय सोशल मीडिया पर मीम्स और वीडियो चल रहे हैं। जयप्रकाश ने गांव-गांव जाकर जनता को जगाया था। आज विपक्ष शहरों तक सीमित है। किसान आंदोलन में विपक्ष शामिल नहीं हुआ, नागरिकता विरोध में भी फूट पड़ी। भाजपा मजबूत संगठन के साथ खड़ी है। विपक्ष के पास जनाधार कमजोर पड़ गया है। युवा वर्ग बेरोजगारी से त्रस्त है,किंतु विपक्ष उसे संगठित नहीं कर पा रहा। क्या यह विपक्ष की थोथी चीखें हैं? जयप्रकाश न होने का प्रमाण तो यही है कि आरोप लगाने वाले खुद आंदोलन से डरते हैं।

आंदोलन की शक्ति और सबक

बहरहाल,इतिहास गवाह है कि सच्चा परिवर्तन सड़क से आता है। जयप्रकाश ने साबित किया कि बिना हिंसा के भी सत्ता हिलाई जा सकती है। अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध जनलहर खड़ी की। किसानों ने दिल्ली को घेरा। इनमें सफलता का रहस्य था-स्पष्ट मुद्दा,नैतिक नेतृत्व,जनभागीदारी। वोट चोरी के विरुद्ध अगर विपक्ष आंदोलन चलाए,तो ईवीएम की पारदर्शिता पर बहस छिड़ सकती है। प्रत्येक बूथ में लाखों कार्यकर्ता सड़कों पर उतरें। वीआईपी सत्यापन बढ़ा। कागजी मतपत्रों की मांग हो। किंतु इसके लिए जयप्रकाश जैसा त्यागी नेता चाहिए जो सत्ता की लालच न करे। इसके बजाये विपक्ष को जयप्रकाश मॉडल अपनाना चाहिए। पहले आंतरिक एकजुटता। फिर ग्रामीण स्तर पर जागृति। छात्रों, किसानों, मजदूरों को जोड़ें। मीडिया शोर छोड़ें, जनसभाएं करें। यदि ऐसा न हुआ,तो आरोप थोथे सिद्ध होंगे। भाजपा पर वोट चोरी का इल्जाम लगाना आसान है,किंतु साबित करने के लिए जेपी जैसा आंदोलन चाहिए। देश की जनता इंतजार कर रही है। क्या विपक्ष में कोई लोकनायक जन्म लेगा? यह प्रश्न समय के गर्भ में है। किंतु इतिहास सिखाता है, जनता जागेगी तो सत्ता झुकेगी। वर्ना विपक्ष थोथे चने की तरह बजता ही रहेगा।

भारतीय मेधा का वैश्विक शंखनाद है अंतरिक्ष की 'मिशन दृष्टि'

दुर्गेश्वर राय
गोरखपुर,उत्तर प्रदेश

03 मई 2026 की वह सुनहरी दोपहर भारतीय विज्ञान के इतिहास में एक ऐसे मील के पत्थर के रूप में दर्ज हो गई है, जिसने हमारी तकनीकी सीमाओं को विस्तार देने के साथ ही अंतरिक्ष की असीमित सीमाओं में भारत के बे ते प्रभुत्व की एक नई इबारत भी लिख दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मिशन दृष्टि' के सफल प्रक्षेपण पर बेंगलुरु के स्टार्टअप 'गैलेक्सआई' को दी गई बधाई मात्र एक औपचारिक प्रशंसा नहीं है, बल्कि यह उस नए भारत के आत्मविश्वास की हुंकार है जो अब दुनिया की कतार में पीछे खड़ा होने के बजाय नेतृत्व करने का साहस जुटा चुका है। स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के विशाल कंधों पर सवार होकर जब भारत में निर्मित अब तक का सबसे बड़ा निजी उपग्रह अंतरिक्ष की कक्षा की ओर रवाना हुआ, तो वह अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं और युवा इंजीनियरों के उस जुनून को भी ले गया जिसने असंभव को संभव कर दिखाया है। इस मिशन की सबसे रोमांचक उपलब्धि'ऑप्टोसार' तकनीक का सफल प्रयोग है,जो वैश्विक स्तर पर एक अभूतपूर्व क्रांति है। दुनिया में पहली बार किसी उपग्रह ने'ऑप्टिकल इमेजिंग' की स्पष्टता और 'सिंथेटिक अपर्चर रडार' (एस.ए.आर.) की अभेद्य दृष्टि को एक साथ एक ही पटल पर उतारने में सफलता पाई है। इसका अर्थ यह है कि अब अन्तरिक्ष में स्थित हमारी आँखें बादलों की मोटी परत को चीरकर,रात के घने अंधेरे में और विचलित करने वाले कोहरे के बीच भी पृथ्वी की सतह को उतनी ही स्पष्टता से देख सकेंगी जैसे दिन के उजाले में। यह 'सिंक फोकस्ड सेंसर'तकनीक हमारे रक्षा तंत्र,आपदा प्रबंधन और कृषि क्षेत्र के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, जहाँ एक-एक सेकंड की सटीकता और समय पर मिली जानकारी हजारों जिंदगियों को बचाने और राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखने का सामर्थ्य रखती है।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

भाजयुमो ने निकाली भव्य विजय रैली...ऐतिहासिक जीत का जश्न

संकल्प भवन से महामाया चौक तक गूंजे नारे...आतिशबाजी कर मनाया उत्सव

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) सरगुजा द्वारा ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में जिला कार्यालय संकल्प भवन से भव्य विजय रैली निकाली गई। जिला अध्यक्ष निशांत सिंह (सोलू) के नेतृत्व में निकली इस रैली को भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, वरिष्ठ नेता हरपाल सिंह भामरा एवं जन्मेजय मिश्रा ने भाजपा का ध्वज दिखाकर रवाना किया।

जोश और उत्साह से लबरेज कार्यकर्ताओं की यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए महामाया चौक पहुंची, जहां आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया गया। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए पार्टी की जीत पर खुशी जाहिर की। भाजपा द्वारा पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में दर्ज की गई प्रचंड जीत का उत्साह अंबिकापुर में भी साफ दिखाई दिया। प्रदेश अध्यक्ष के आह्वान पर प्रदेशभर में विजय रैलियां आयोजित की जा रही हैं, इसी कड़ी में सरगुजा में भी यह आयोजन हुआ। रैली को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष निशांत सिंह ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह एवं राष्ट्रीय नेतृत्व के कुशल मार्गदर्शन और भाजपा की विकासोन्मुख नीतियों पर जनता की मुहर है। उन्होंने कहा कि यह प्रत्येक कार्यकर्ता की मेहनत और समर्पण का परिणाम है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी संगठन को मजबूत किया। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव परिणाम यह दर्शाते हैं कि देश की युवा शक्ति और आम जनमानस सुशासन एवं विकास के साथ खड़ा है।

इस ऐतिहासिक जीत से छत्तीसगढ़ का युवा उत्साहित है और भविष्य में संगठन को और अधिक मजबूत करने का संकल्प ले रहा है। रैली में प्रिया सिंह, दीक्षा अग्रवाल, अंकित जायसवाल, विकास शुक्ला, शानू कश्यप, अमोघ कश्यप, अनीश सिंह, अविनाश मंडल,शुभम अंबष्ट (ऋषु),अभिषेक सिंह (पिंटी),रवजोत सिंह,शुभम सिंह भदौरिया, आशुमल गर्ग,अनुराग शुक्ला,सौरभ मिश्रा, प्रीतेश दुबे,आदित्य गौतम,अभिषेक माथुर, शैलेन्द्र चौबे,प्रिंस तिवारी,निमेश दुबे,सुधांशु चौबे एवं आयुष दुबे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के प्राध्यापक पर छात्रा से छेड़छाड़ व प्रताड़ना का आरोप,गिरफ्तार

अश्लील मैसेज भेजने,शादी तुड़वाने व लूट की वारदात में केस दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026
(घटती-घटना)।

छात्रा से अश्लील मैसेज भेजकर प्रताड़ित करने, शादी तुड़वाने और लूटपाट के गंभीर आरोपों में कोतवाली पुलिस ने एक महाविद्यालय के प्राध्यापक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले में पीड़िता ने थाना कोतवाली अंबिकापुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वर्ष 2025 में शासकीय राजमोहिनी कन्या महाविद्यालय में अध्ययन के दौरान इतिहास विषय के सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्र किशोर कौशल उसे व्हाट्सऐप पर लगातार मैसेज भेजता था। शुरुआत में सामान्य बातचीत के बाद आरोपी ने अक्टूबर-नवंबर 2025 के दौरान अश्लील फोटो एवं अभद्र संदेश भेजना शुरू कर दिया। पीड़िता ने परेशान होकर आरोपी का नंबर ब्लॉक कर दिया और इसकी शिकायत परिजनों व महाविद्यालय प्रबंधन से की, जहां आरोपी को चेतावनी भी दी गई थी। इसके बावजूद आरोपी की हरकतें नहीं रुकीं और उसने पीड़िता को और अधिक परेशान करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 1 मई 2026 को उसका विवाह तय था, जिसे आरोपी ने वर पक्ष को गुमराह कर तुड़वा दिया। साथ ही 27 फरवरी 2026 को आरोपी ने अपने साथियों के साथ पीड़िता को सुनसान स्थान पर ले जाकर उसका मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़िता की शिकायत पर थाना कोतवाली अंबिकापुर में अपराध क्रमांक 160/2026 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान आरोपी फरार चल रहा था। 4 मई 2026 को आरोपी द्वारा न्यायालय अंबिकापुर में आत्मसमर्पण किए जाने के बाद पुलिस ने न्यायालय से अनुमति प्राप्त कर आरोपी डॉ. चंद्र किशोर कौशल (निवासी बाबूपारा, अंबिकापुर) को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिन्हा सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

4 वर्षों तक संबंध बनाकर शादी से किया इंकार कोतवाली पुलिस ने भेजा न्यायिक रिमांड पर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026
(घटती-घटना)।

शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने थाना कोतवाली अंबिकापुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वर्ष 2022-23 में एलएलबी की पढ़ाई के दौरान उसकी मुलाकात सहपाठी संदीप एक्का से हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गया। आरोप है कि संदीप एक्का ने शादी का आश्वासन देकर पीड़िता के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए, लेकिन बाद में शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर थाना कोतवाली अंबिकापुर में अपराध क्रमांक 282/2026 के तहत धारा 69 बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी संदीप एक्का (पिता बालम राम),निवासी कांतिप्रकाशपुर घोमपारा, थाना अंबिकापुर, जिला सरगुजा को 5 मई 2026 को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर विधिवत गिरफ्तार कर मेडिकल परीक्षण के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिन्हा,सहायक उप निरीक्षक विवेक पांडेय, आरक्षक अदीब सिंह,विवेक राय, नितिन सिन्हा,अहसान फिरदौसी एवं बृजेश राय की महत्वपूर्ण भूमिका ।

मामूली विवाद में मारपीट करने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार,जिला बदर की तैयारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026
(घटती-घटना)।

मामूली विवाद में गाली-गलौज और मारपीट कर युवक को घायल करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं आरोपी के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी गई है। पुलिस के अनुसार,2 मई 2026 को नमनाकला निवासी पंकज शुक्ला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने साथी मनीष अंबष्ट और रानू पांडेय के साथ गांधी चौक स्थित एक पान दुकान के पास खड़ा था। इसी दौरान गुटखा थूकने को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद अनिकेत त्रिपाठी अपने साथियों मजहर खान,जय सोनी और ओम सोनी के साथ पहुंचा और सार्वजनिक स्थान पर गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। घटना में पंकज शुक्ला के सिर में चोट आई। प्रकरण में थाना अंबिकापुर में अपराध क्रमांक 278/2026 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पीड़ित का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया, वहीं आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहे थे। पुलिस टीम ने 5 मई 2026 को दबिश देकर मुख्य आरोपी मजहर खान (निवासी इमलीपारा, अंबिकापुर) को रसूलपुर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। साथ ही दो नाबालिगों को भी पकड़कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 129 के तहत गुंडा बदमाश फाइल खोल दी है और उसके आपराधिक रिकॉर्ड की सूची तैयार की जा रही है। पुलिस द्वारा जिला बदर की कार्रवाई भी पृथक रूप से की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिन्हा, उप निरीक्षक कृष्णा यादव, सहायक उप निरीक्षक विवेक पांडेय, एएसआई अदीप सिंह सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्कूल जतन योजना में करोड़ों के घोटाले के आरोप,लुण्ड्रा ब्लॉक में मरम्मत कार्यों पर उठे सवाल

2.39 लाख के काम में '30 हजार' का ही काम, कागजों में पूरा भुगतान...कई स्कूलों में गड़बड़ी की शिकायत

-संवाददाता-
अंबिकापुर/लुण्ड्रा,05 मई 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत लुण्ड्रा विकासखंड में स्कूल मरम्मत कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। प्राथमिक शाला कटाईपारा (ग्राम पंचायत जरहाडीह) का मामला सबसे अधिक चर्चा में है,जहां 2 लाख 39 हजार रुपए के मरम्मत कार्य का भुगतान दिखाया गया,जबकि जमीनी स्तर पर काम बेहद कम होने का आरोप है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, स्कूल में नाममात्र का मरम्मत कार्य हुआ है,लेकिन कागजों में पूरा कार्य दर्शाकर राशि आहरित कर ली गई।

आरोप है कि इस मामले में दस्तावेजों में भी हेरफेर किया गया है। जिस स्कूल का वास्तविक स्थान ग्राम पंचायत जरहाडीह है, उसे अभिलेखों में ग्राम पंचायत लमगांव दर्शाया गया है, जिससे पूरे प्रकरण को संदिग्ध माना जा रहा है। मामले को उजागर करने वाले आरटीआई कार्यकर्ता डी.के. सोनी ने इसे भ्रष्टाचार का स्पष्ट मामला बताते हुए संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। उनका कहना है कि बिना मिलीभगत के इस तरह की गड़बड़ी संभव नहीं है।

अन्य स्कूलों में भी गड़बड़ी के आरोप : लुण्ड्रा ब्लॉक के कई अन्य स्कूलों में भी इसी तरह की अनियमितताओं की शिकायत सामने आई है।

इनमें प्राथमिक शाला डडहोली पारा, डडहोलीपारा (भेड़िया), असकला,भेड़ीदाढ़ असकला, माध्यमिक शाला डडहोली पारा, प्राथमिक शाला सायर रई, केजीबीवी लुण्ड्रा,माध्यमिक शाला चिरंगा एवं प्राथमिक शाला चिरंगा शामिल हैं। इन सभी में लाखों रुपए के कार्य स्वीकृत और पूर्ण दर्शाए गए हैं, जबकि वास्तविक कार्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई स्थानों पर कार्य अधूरा है या गुणवत्ता बेहद खराब है, जिससे योजना के क्रियान्वयन पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं।

जांच की मांग,बढ़ा आक्रोश : मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है और जिम्मेदारों पर कब कार्रवाई होती।

ड्यूटी के दौरान महिला गार्ड की मौत पर हंगामा 2 घंटे चक्काजाम के बाद 9 लाख मुआवजा तय

जनरेटर में दुपट्टा फंसने से हुई थी घटना,परिजनों ने 50 लाख की मांग रखी,लापरवाही के आरोप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026
(घटती-घटना)।

शहर के दर्रीपारा स्थित संकल्प अस्पताल में ड्यूटी के दौरान हुए हादसे में महिला सुरक्षा गार्ड की मौत के बाद मंगलवार को जमकर हंगामा हुआ। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया और अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए 50 लाख रुपए मुआवजे की मांग की। करीब दो घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद अस्पताल प्रबंधन ने 9 लाख रुपए मुआवजा देने का आश्वासन दिया,तब जाकर मामला शांत हुआ। जानकारी के अनुसार,दर्रीपारा निवासी 26 वर्षीय अनिषा तिग्गा,पति अमित तिग्गा,संकल्प अस्पताल में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत थी। 2 मई को अस्पताल परिसर में लगे जनरेटर में डीजल का स्तर जांचने के दौरान उसके गले में लिपटा दुपट्टा जनरेटर के पंखे में फंस गया। इससे वह अनियंत्रित होकर गिर पड़ी और उसके सिर में गंभीर चोट आई। अस्पताल में ही भर्ती कर उसका इलाज किया जा रहा था, लेकिन सोमवार दोपहर करीब 3 बजे उसकी मौत हो गई।

सड़क पर शव रखकर किया प्रदर्शन : मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। इसके बाद परिजन अस्पताल प्रबंधन से मुआवजे को लेकर चर्चा करने पहुंचे, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर आक्रोशित हो गए। दोपहर में उन्होंने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। इससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पर एसडीएम, सीएसपी व तहसीलदार मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन अस्पताल प्रबंधन को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। करीब दो घंटे बाद अस्पताल प्रबंधन के पहुंचने और मृतका की बेटी के नाम 9 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा के बाद चक्काजाम समाप्त हुआ।

लापरवाही के आरोप,एफआईआर नहीं : परिजनों का आरोप है कि महिला से सुरक्षा गार्ड के अलावा जनरेटर का काम भी कराया जा रहा था,जबकि यह उसकी ड्यूटी में शामिल नहीं था। अस्पताल में पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम भी नहीं थे। घटना की सूचना भी अस्पताल प्रबंधन द्वारा पुलिस को नहीं दी गई, बल्कि परिजनों ने ही इसकी जानकारी दी। इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अबष्ट का कहना है कि ड्यूटी के दौरान हुई मौत को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जा सकता है।

सरगुजा में नारकोटिक औषधियों की सघन जांच,अनियमितता पर कार्यवाही

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार तथा नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ एवं कलेक्टर सरगुजा के आदेशानुसार जिले में 27 अप्रैल से 11 मई 2026 तक 15 दिवसीय सघन जांच अभियान सही दवा, शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार के तहत लगातार निरीक्षण कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 04 एवं 05 मई 2026 को सरगुजा जिले के 09 थोक औषधि प्रतिष्ठानों एवं 07 फुटकर औषधि प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थोक प्रतिष्ठानों में नारकोटिक औषधियों के स्टॉक तथा उनके क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेखों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान कुछ थोक प्रतिष्ठानों द्वारा प्रस्तुत ऐसे विक्रय बिल पाए गए, जो अन्य जिलों से संबंधित थे। इन मामलों को संबंधित जिलों को सूचित करते हुए अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है। साथ ही सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे प्रति माह नियमित रूप से नारकोटिक औषधियों के क्रय-विक्रय अभिलेख कार्यालय में प्रस्तुत करें।

नदी में नहाने गए चाचा-भतीजे की डूबकर मौत एक किशोर बचा,मेंड्राकला की खर्रा नदी में हादसा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे पर स्थित ग्राम मेंड्राकला की खर्रा नदी में नहाने के दौरान चाचा-भतीजे की डूबकर मौत हो गई, जबकि एक किशोर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना से परिजनों में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, चांदनी चौक मायापुर निवासी 17 वर्षीय उज्ज्वल भारती मंगलवार दोपहर अपने दोस्त समर्थ सोनी (17) को फोन कर नदी में नहाने के लिए बुलाया। समर्थ अपने 8 वर्षीय भतीजे के साथ मेंड्राकला स्थित खर्रा नदी पहुंचा। उज्ज्वल के साथ उसका 19 वर्षीय चाचा अमन कुमार, जो उत्तर प्रदेश से घूमने आया था, भी मौजूद था।

बचाने गए तो तीनों डूबने लगे : नहाने के दौरान अमन गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए उज्ज्वल और समर्थ आगे बढ़े, लेकिन तीनों ही गहराई में फंसकर डूबने लगे। किनारे खड़े मासूम ने शोर मचाया, तब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने किसी तरह समर्थ को बाहर निकाल लिया, जबकि उज्ज्वल और अमन की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने शव भेजे पोस्टमार्टम के लिए : सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया।

नामांतरण,अविवादित प्रकरणों को 30 दिनों के भीतर पूर्ण करने का निर्णय

पोषण आहार वितरण की जांच, स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने के निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत सरगुजा प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक मंगलवार को जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण एजेंडों पर चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत की स्थायी समितियों की कार्यप्रणाली पर भी चर्चा की गई। समितियों की नियमित बैठक सुनिश्चित करने के लिए संबंधित सचिवों को निर्देशित किया गया। जनपद पंचायत लखनपुर क्षेत्र में पोषण आहार वितरण निजी व्यक्तियों द्वारा किए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत सदस्य श्री विजय अग्रवाल ने जांच कर कार्रवाई करने का प्रस्ताव रखा, जिसे बैठक में स्वीकार किया गया। शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए। उपाध्यक्ष द्वारा ग्राम पंचायत बिल्हमा के प्राथमिक शाला जोरवापारा में शिक्षक की कमी की जानकारी दी गई, जिस पर तत्काल व्यवस्था के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही

ग्राम पंचायत परपटिया (नागाखार),लखनपुर के बंधा, लुण्ड्रा के ककनी तथा बतौली के ललाती स्थित प्राथमिक शालाओं में शिक्षकों की आवश्यकता को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रशासनिक कार्यों की गति बढ़ाने के लिए अविवादित, फौती एवं नामांतरण प्रकरणों को ग्राम पंचायत के माध्यम से 30 दिनों के भीतर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में संविधान संशोधन के अंतर्गत नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 से संबंधित विषय पर सदस्यों ने चर्चा की।

घंघरी-रुखपुर में 3 करोड़ के ऐनीकट बांध का भूमिपूजन,जल संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा

जनप्रतिनिधियों ने पूजा-अर्चना कर किया शुभारंभ,सिंचाई सुविधा बढ़ने से किसानों को होगा लाभ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-1 के अंतर्गत घंघरी-रुखपुर में लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले ऐनीकट बांध का विधिवत भूमिपूजन सम्पन्न हुआ। लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा इस परियोजना की मांग की जा रही थी,जिसके पूर्ण होने पर अब कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। भूमिपूजन कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया,विधायक प्रबोध मिंज एवं जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया ने पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष

भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि ऐनीकट बांध का निर्माण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा,भूजल स्तर में सुधार होगा तथा किसानों को सिंचाई के लिए स्थायी जल स्रोत उपलब्ध होगा। उन्होंने इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाला कदम बताया। विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होना संतोष का विषय है। इस परियोजना से सिंचाई सुविधा में वृद्धि होगी और जल संकट की समस्या के समाधान में भी मदद मिलेगी। जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया ने कहा कि यह योजना किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगी। इससे खेती में सुविधा बढ़ेगी और कृषि उत्पादन में वृद्धि की संभावना है। उन्होंने कहा कि इस तरह की योजनाएं गांवों को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होती हैं। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रेमानंद तिग्गा,परसा मंडल अध्यक्ष संतोष जायसवाल, मनीष ली,युवा मोर्चा महामंत्री अविनाश मंडल, रोहन मंडल, राजेश राजवाड़े,दिलीप केशरी,उपसरपंच रवि पैंकरा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का किया गया आयोजन

श्रमिक के बिना कोई कार्य सफल नहीं : सांसद चिंतामणि महाराज

जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को चेक का किया वितरण...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026
(घटती-घटना)।

जिले के श्रमिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने और उनके पंजीयन की प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से आज स्थानीय पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने श्रमिकों के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।

बिना श्रमिक के कोई कार्य सफल नहीं सांसद श्री चिंतामणि महाराज : मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति

आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''आज समाज का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जो श्रमिकों के बिना सफल हो सके। श्रमिकों के परिश्रम से ही राष्ट्र का निर्माण होता है।'' उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अंतिम पंक्ति के श्रमिक का भी पंजीयन सुनिश्चित हो सके।

श्रम का सम्मान और आत्मनिर्भरता : कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में श्रमिक है और परिश्रम ही परिवार के भरण-पोषण का आधार है। उन्होंने श्रमिक पंजीयन कर योजनाओं का लाभ लेने उपस्थित श्रमिक जनों को प्रोत्साहित किया।

जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को चेक का किया वितरण एवं परोसा भोजन

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा चेक वितरण कर सम्मानित किया गया। जब उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने स्वयं अपने हाथों से श्रमिकों को भोजन परोसा। इस दौरान श्रमिकों ने अनुशासन का परिचय देते हुए कतारबद्ध होकर अपनी-अपनी बारी में शांतिपूर्वक भोजन लिया।

जिले में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में टॉप करने वाले बच्चों को कलेक्टर अजीत वसंत ने किया सम्मानित

लैपटॉप भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की दी शुभकामनाए...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित बोर्ड परीक्षा परिणामों में जिले में अव्वल स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने सम्मानित किया। 10वीं की परीक्षा में प्रयास आवासीय विद्यालय अम्बिकापुर की छात्रा ज्योति साहू 97.33 प्रतिशत के साथ जिले में अव्वल रहीं। वहीं मल्टीपरपज स्कूल के छात्र बाबा आशीष केरकेट्टा ने 12 वीं कक्षा में 94.4 प्रतिशत अंक के साथ जिले में अव्वल स्थान प्राप्त किया। दोनों अपने शिक्षकों एवं अभिभावकों के साथ मंगलवार को कलेक्टर श्री वसंत से मिलने कलेक्टोरेट पहुंचे। कलेक्टर ने दोनों को लैपटॉप भेंट कर सम्मानित किया। कलेक्टर के पूछने पर बाबा आशीष ने आगे सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की इच्छा जाहिर की, वहीं ज्योति ने बताया कि 11 वीं में मैथ्स लेकर वह इंजीनियर बनना चाहती हैं। कलेक्टर श्री वसंत ने दोनों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा इसी प्रकार

आगे भी कड़ी मेहनत कर सफलता हासिल करने प्रेरित किया। इस दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्री ललित शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी श्री दिनेश झा, श्री रविशंकर पाण्डे उपस्थित रहे।

आंधी-बारिश से तापमान में गिरावट भीषण गर्मी से मिली राहत...

अंबिकापुर में 34.1 मिमी वर्षा दर्ज,एक-दो दिन तक मौसम का असर रहने के आसार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026 (घटती-घटना)।

तेज आंधी, गरज-चमक के साथ हुई झमाझम बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार शहर में 34.1 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम में आए बदलाव के कारण तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान गिरकर 32.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 17.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक एस.के. मंडल के अनुसार बंगाल की खाड़ी से आ रही नम हवा और पश्चिमी विक्षोभ के संयुक्त प्रभाव से उत्तरी छत्तीसगढ़ के मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से दोपहर बाद मौसम बदल रहा है और तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। सोमवार सुबह भी तेज गरज-चमक के साथ बारिश हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस सिस्टम का प्रभाव अगले एक-दो दिनों तक बना रह सकता है। इसके बाद मौसम साफ होने पर तापमान में फिर से बढ़ोतरी हो सकती है। गौरतलब है कि पिछले दिनों सरगुजा संभाग में अधिकतम तापमान 40 से 41 डिग्री के बीच पहुंच गया था। तेज गर्मी और लू से लोग परेशान थे। लेकिन बादलों की सक्रियता और बारिश के कारण मौसम ठंडा हो गया है, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है।

पीजी कॉलेज की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष बने मनोज गुप्ता

प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद तीन महाविद्यालयों में नियुक्तियां,कलेक्टर ने जारी किया आदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 मई 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में महाविद्यालयों की जनभागीदारी समितियों में नए अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी गई है। जिले के प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के पश्चात कलेक्टर सरगुजा अजीत वसंत द्वारा आदेश जारी करते हुए यह नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। जारी आदेश के अनुसार, संभाग के सबसे बड़े शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में मनोज गुप्ता (पार्षद,माता राजमोहनी देवी वार्ड) को जनभागीदारी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही शासकीय कन्या महाविद्यालय अंबिकापुर एवं स्वामी आत्मानंद विज्ञान महाविद्यालय अंबिकापुर में भी जनभागीदारी समिति के अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। प्रशासन का कहना है कि इन नियुक्तियों से महाविद्यालयों के संचालन एवं विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी और अधिक मजबूत होगी।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /अ-6-अ/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कलिन्दर मरकाम आ. स्व. लक्ष्मी मरकाम, निवासी ग्राम गंगापुरखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि ग्राम गंगापुरखुर्द स्थित खसरा नंबर 111/4 रकबा 0.332 हे. भूमि नमुना छ (जी) में घुरन आ. बली चेरवा के नाम पर दर्ज है। आवेदक के द्वारा उक्त भूमि दिनांक 15.12.1994 को घुरन आ. बली चेरवा से क्रय किया गया है। किन्तु त्रुटिवश उक्त भूमि के राजस्व अभिलेख के कैफियत कालम में शासन से प्राप्त भूमि अहस्तांतरणीय दर्ज हो गया है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय, अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 14/05/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक-28/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय कुमार सिन्हा आ0स्व0 गणेश प्रसाद सिन्हा व अन्य निवासी नवापारा आजाद वार्ड नंबर 16 नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 66/20 रकबा 0.010 हे0 भूमि एवं उस पर निर्मित मकान को अनावेदक कृष्ण विश्वकर्मा आ0स्व0 सीताराम विश्वकर्मा निवासी सेमरी जिला गढवा झारखण्ड वर्तमान में बौरीपारा नगर अम्बिकापुर के पास अपने निजी कार्य हेतु रूपयो की आवश्यकता होने के कारण अंकन राशि रूपये 15,00,000/- मे भूमि बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 20.05.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः- 04/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लक्ष्मी प्रकाश आ0 कालू राम, व अन्य 01, निवासी ग्राम बौरीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि ग्राम सकालो स्थित खसरा नंबर 209 / 2 रकबा 0.530 हे0 आवेदक की क्रयशुदा भूमि है। आवेदक द्वारा उपरोक्त भूमि में से रकबा 0.417 हे0 विक्रय कर दिया गया है। इस प्रकार आवेदक के खाते में शेष बचत रकबा 0.113 हे0 है, परंतु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में शेष रकबा 0.083 हे0 दर्ज है, जो त्रुटिपूर्ण है। आवेदक द्वारा खसरा नंबर 209/2 के त्रुटिपूर्ण रकबा 0.083 हे0 को सुधार कर 0.113 हे0 दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/05/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 05/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संतोष सिंह आ.स्व. रामप्रताप सिंह निवासी खूटनपारा, पम्पापुर, नानदमाली जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 50/9, 250/5, 293/20, 500/5, 501/5, 502/5, 506/1, 507/1 रकबा 0.020, 0.034, 0.068, 0.048, 0.042, 0.058, 0.178, 0.027 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृत खातेदार विक्रय सिंह का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 14.05.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः-28/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उमेश कुमार जायसवाल आ0/पति रामदेव जायसवाल जाति, निवासी डी0सी0 रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-महावीर वार्ड, शीट नम्बर-4 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1893/4777/9, 1893/4777/18 रकबा $0.01^{1/2}$, 6751.8 एकड़ / वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-11/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांकः- 22/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अंकित अम्बष्ट आ0 अशोक कुमार अम्बष्ट जाति कायस्थ, निवासी जोड़ापीपल केदारपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-चोपड़ापारा, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 9/159 रकबा $0.03^{1/2}$ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/5/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/05/2026. को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रियंका अम्बष्ट आ0 अशोक कुमार अम्बष्ट जाति कायस्थ, निवासी जोड़ापीपल केदारपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-चोपड़ापारा, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 9/150 रकबा $0.03^{1/2}$ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/5/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/05/2026. को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती विमला पाठक आ0/पति दुर्गा प्रसाद पाठक जाति, निवासी भट्ठी रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-केदारपुर भट्ठी रोड़, शीट नम्बर-4 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1951/5 रकबा 0.2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 11/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 20/04/2026. को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शम्भू नारायण सिंह आ0/पति शिवप्रताप सिंह जाति, निवासी बाबूपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3528/16 रकबा 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 11/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक-20/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नित्यानंद सिंह आ0/पति स्व0 बनवारी सिंह जाति, निवासी मायापुर शास्त्री वार्ड अम्बिकापुर, सरगुजा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - मायापुर, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1627/6 रकबा 0.02 एकड भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 08/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक-23/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अब्दुल निशान आ0/पति स्व0 मो0 रफी जाति मुसलमान, निवासी वार्ड क्रमांक 2 महगवां, सूरजपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - न्यू महामाया रोड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2553 /5, 2553/6, 2553/7, 2553/8 रकबा क्रमशः 0.35, 0.01, 0.03, 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3. 2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो, अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 15/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांकः- 29/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरवरी बेगम आ0/ पति स्व0 अब्दुल रसीद खान जाति मुसलमान, निवासी वार्ड क्रमांक 2 महगवां, सूरजपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 9/30 रकबा 4356 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो, अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-15 /05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांकः- 29/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

झुमका में झूमता सिस्टम में पर्यटन कम, तमाशा ज्यादा

सपना 'डल झील' का, हकीकत 'ढलती व्यवस्था' की

झुमका में झूमता भ्रष्टाचार पर्यटन के नाम पर बना 'चारागाह'
डल झील का सपना, अव्यवस्था का दलदल: झुमका की सच्चाई
खर्च करोड़ों का, नतीजा सन्नाटा का, झुमका बना सिस्टम का आईना

3 करोड़ का क्रूज बना मयखाना, अब जागा प्रशासन!

- झुमका में 'विकास' की नाव,लापरवाही के भंवर में फंसी
- पर्यटन कम, कमाई ज्यादा झुमका बना अधिकारियों का खेल
- क्रूज में सैर नहीं, शराब का दौर झुमका की डूबती साख
- कागजों में स्वर्ग,हकीकत में अव्यवस्था,झुमका का कड़वा सच
- पहले खर्च,फिर जांच: झुमका में उल्टा चलता सिस्टम

जब हादसा जबलपुर हुआ,तब याद आई सुरक्षा झुमका में सिस्टम बेनकाब

-रवि सिंह-

कोरिया,05 मई 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले का झुमका जलाशय जिसे कभी बड़े गर्व के साथ छत्तीसगढ़ का मिनी डल झील कहा गया आज खुद अपनी हालत पर खामोश खड़ा है,पानी वही है, किनारे वही हैं,लेकिन बदल गया है तो सिर्फ उसका इस्तेमाल,जहां कभी पर्यटन का सपना दिखाया गया था,वहां अब सवालों की लहरें उठ रही हैं,विकास की कहानी लिखने की कोशिश में ऐसा अध्याय जुड़ गया है,जिसे पढ़कर खुद सिस्टम भी असहज हो जाए,पिछले 6-7 वर्षों में झुमका को संवारने के नाम पर करोड़ों रुपये बहाए गए,योजनाएं बनीं, टेंडर निकले,क्रूज खरीदे गए,उद्घाटन हुए और फोटो खिंचवाई गई,हर नए अधिकारी ने झुमका को अपनी उपलब्धि का आईना बनाया,लेकिन आईने में दिखने वाली तस्वीर जितनी चमकदार थी,जमीन पर उतनी ही धुंधली।

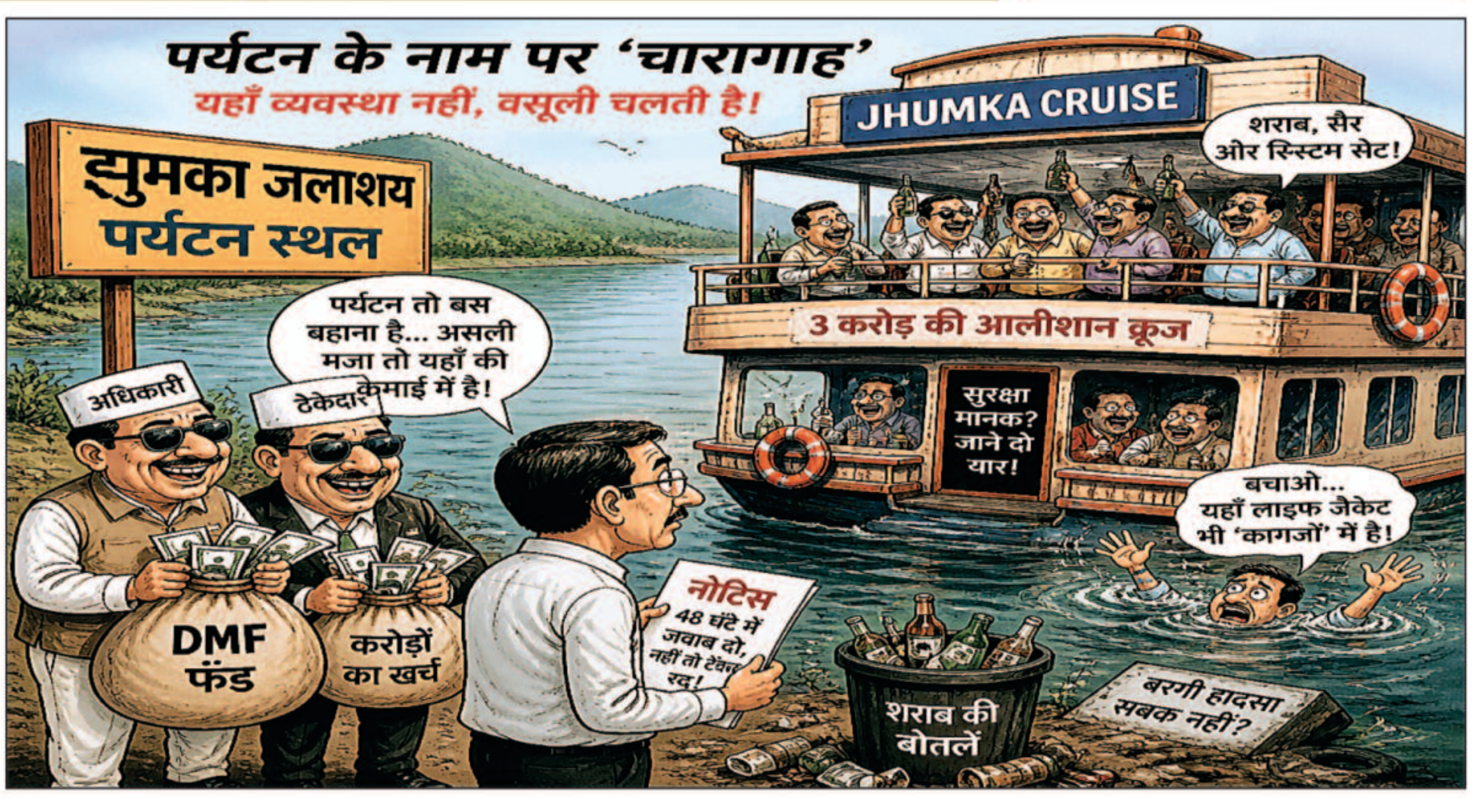

कश्मीर की नकल,कोरिया में विफल,शिकार बना 'शोपीस' या खर्च का बहाना?

कोरिया जिले के झुमका जलाशय में विकास की कहानी सिर्फ क्रूज तक सीमित नहीं रही, बल्कि कश्मीर मॉडल को भी यहां उतारने की कोशिश की गई,डल झील की खूबसूरती और वहां चलने वाली शिकारा नौकाओं से प्रेरित होकर,ठीक वैसी ही शिकारा कोरिया में भी मंगाई गई,उद्देश्य साफ था की पर्यटकों को आकर्षित करना,झुमका को मिनी कश्मीर बनाना और एक अलग पहचान देना, लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ दिखावे से पर्यटन विकसित होता है? कश्मीर की डल झील में शिकारा सिर्फ नाव नहीं है, वह वहां की जीवनशैली, संस्कृति और पर्यटन का अभिन्न हिस्सा है,वहां शिकारा चलाने वाले पीढ़ियों से इस काम से जुड़े हैं,पर्यटकों की निरंतर आवाजाही है, और पूरा सिस्टम उस अनुभव को जीवंत बनाता है, लेकिन झुमका में लाई गई शिकारा क्या वह उस संदर्भ में फिट बैठती है? यही वह सवाल है, जिसका जवाब आज तक स्पष्ट नहीं हो पाया, झुमका में शिकारा लाई तो गई,लेकिन उसके संचालन की कोई ठोस योजना नहीं बनी,न तो नियमित संचालन दिखा,न ही प्रशिक्षित नाविकों की व्यवस्था, और न ही पर्यटकों के लिए कोई व्यवस्थित अनुभव तैयार किया गया,नतीजा यह हुआ कि शिकारा,जो कभी आकर्षण बन सकती थी,आज अधिकतर समय किनारे खड़ी नजर आती है–एक शोपीस की तरह, यह स्थिति अपने आप में कई सवाल खड़े करती है,क्या खरीदी के समय इसकी उपयोगिता पर गंभीरता से विचार किया गया था? या फिर यह सिर्फ एक और आकर्षक आइटम जोड़ने की जल्दबाजी थी, जिससे यह दिखाया जा सके कि झुमका में भी अब कश्मीर जैसा अनुभव मिलेगा? व्यंग्य यह है कि जहां कश्मीर में शिकारा पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराती है, वहीं झुमका में वही शिकारा खुद अपनी उपयोगिता तलाशती नजर आती है। यहां न वह भीड़ है,न वह माहौल, और न ही वह योजना,जो इसे सफल बना सके, स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा आम है कि शिकारा की खरीदी में भी अच्छी-खासी राशि खर्च की गई,लेकिन उसका प्रतिफल शून्य के बराबर है,यानी,एक और परियोजना जो कागजों और कल्पनाओं में तो शानदार दिखती है,लेकिन जमीन पर उसका कोई ठोस अस्तित्व नहीं है,झुमका में खड़ी शिकारा अब एक प्रतीक बन चुकी है उस सोच का, जिसमें विकास का मतलब सिर्फ कॉपी-पेस्ट करना रह गया है,बिना यह समझे कि हर जगह की अपनी जरूरतें और परिस्थितियां होती हैं,अंततः सवाल वही पुराना लेकिन जरूरी है क्या झुमका को वास्तव में पर्यटन स्थल बनाना था,या सिर्फ उसे दिखाना था? अगर जवाब पहला है,तो शिकारा जैसी योजनाओं को सिर्फ खरीदने से नहीं,बल्कि उन्हें सही तरीके से संचालित करने से ही सार्थक बनाया जा सकता है। वरना यह शिकारा,पानी में तैरने के बजाय,फाइलों और खर्चों में ही डूबती रहेगी।

क्रुजः सैर का साधन या 'मयखाना' का माध्यम?

3 करोड़ की लागत से तैयार डबल डेकर हाउस बोट–जिसे सुनकर किसी को भी लगे कि अब झुमका में लक्ज़री टूरिज्म का दौर शुरू होगा–आज चर्चा में है,लेकिन वजह पर्यटन नहीं, बल्कि शराबखोरी और अव्यवस्था है, जब क्रूज के डस्टबिन से शराब की बोतलें निकलती हैं,तो सवाल सिर्फ ठेकेदार पर नहीं उठता,बल्कि उस पूरी सोच पर उठता है जिसने इसे बिना ठोस निगरानी के चलने दिया,क्या यह वही क्रूज है, जो परिवारों और पर्यटकों के लिए बनाया गया था? या फिर यह पहले दिन से ही सुविधा के नाम पर छूट का खेल बन गया था? यहां विडंबना देखिए की जिस चीज़ को पर्यटन का चेहरा बनना था, वही अब प्रशासन के लिए सिरदर्द बन चुकी है।

नोटिस की नौटंकी,हादसे के बाद जागी जिम्मेदारी

जब सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था कम से कम कागजों में तब किसी को सुरक्षा याद नहीं आई,लेकिन जैसे ही बरगी डैम में हादसे की खबर आई,अचानक झुमका में भी जागरूकता का सूरज उग गया,अब नोटिस जारी हो रहे हैं,अल्टीमेटम दिए जा रहे हैं,टेंडर रद्द करने की चेतावनियां दी जा रही हैं,ऐसा लग रहा है जैसे प्रशासन कह रहा हो हमें पहले पता नहीं था,अब पता चला है,पर सवाल यह है कि क्या जिम्मेदारी का मतलब सिर्फ हादसे के बाद कार्रवाई करना है? क्या पहले से ही सिस्टम को सजग नहीं होना चाहिए था?

खरीदी का खेल में मानक पीछे,भुगतान आगे

कहानी यहीं खत्म नहीं होती,बल्कि असली कहानी यहीं से शुरू होती है, जब यह क्रूज खरीदा जा रहा था,तब क्या किसी ने यह देखा कि इसकी सुरक्षा मानक क्या हैं? इसकी क्षमता कितनी है? इसमें आपातकालीन व्यवस्था कैसी है? या फिर उस समय प्राथमिकता सिर्फ यह थी कि काम पूरा दिखना चाहिए? आज जब घटना के बाद मानक जांच की बात हो रही है,तो यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या पहले यह सब जानबूझकर नजरअंदाज किया गया?

करोड़ों का खर्च,लेकिन सन्नाटा क्यों?

झुमका पर खर्च हुए पैसों का आंकड़ा छोटा नहीं है,कई करोड़ रुपये डीएमएफ फंड से लेकर अन्य योजनाओं तक यहां झोंक दिए गए, लेकिन अगर कोई आम नागरिक वहां पहुंचता है, तो उसे सबसे पहले जो दिखता है,वह है–खालीपन,पर्यटक नहीं,गतिविधि नहीं,व्यवस्था नहीं,बस एक सुंदर जगह,जो अपनी क्षमता के बावजूद उपेक्षा का शिकार है,यह स्थिति खुद बताती है कि विकास सिर्फ पैसे खर्च करने से नहीं होता,बल्कि योजना और ईमानदारी से होता है जो यहां शायद कहीं खो गई।

अधिकारियों का 'चारागाह' में बदलते चेहरे,वही कहानी

झुमका की सबसे बड़ी त्रासदी शायद यही रही कि यह एक सतत योजना कभी बन ही नहीं पाई, जो भी अधिकारी आया,उसने इसे अपने तरीके से देखा,अपने हिसाब से काम किया और फिर चला गया, हर बार नई शुरुआत,नई घोषणा,नया खर्च लेकिन पुरानी गलतियों पर कभी कोई चर्चा नहीं,यह सिलसिला इतना आम हो गया कि लोगों ने कहना शुरू कर दिया झुमका अब पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि चारागाह बन चुका है,जहां हर कोई अपने हिस्से की हरियाली तलाशता है।

सुरक्षा,नाम की चीज़,काम की नहीं

अगर झुमका की सबसे खतरनाक सच्चाई को एक शब्द में बताया जाए,तो वह है सुरक्षा की अनदेखी,लाइफ जैकेट पर्याप्त नहीं, मेडिकल टीम का अभाव,गोताखोरों की व्यवस्था नहीं,ओवरलोडिंग का खतरा यह सब किसी हादसे का इंतजार नहीं, बल्कि उसे आमंत्रण देने जैसा है, और जब तक हादसा नहीं होता, तब तक सब सामान्य माना जाता है यही सबसे बड़ी विडंबना है।

पर्यटन या एकांत का दुरुपयोग?

झुमका की लोकेशन उसकी ताकत हो सकती थी शांत, प्राकृतिक और सुंदर,लेकिन वही एकांत अब उसकी कमजोरी बन गया है, कम भीड़,कम निगरानी और ढीला सिस्टम इन सबने मिलकर इसे असामाजिक गतिविधियों के लिए अनुकूल जगह बना दिया है,जहां पर्यटक परिवार के साथ सुकून ढूंढने आते,वहां अब लोग गोपनीयता के नाम पर गलत गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं।

अब सवाल सिस्टम से है,सिर्फ ठेकेदार से नहीं

आज ठेकेदार को नोटिस दिया गया है,कार्रवाई की जा रही है, लेकिन क्या इससे पूरी कहानी खत्म हो जाती है? क्या यह मान लिया जाए कि सारी गलती सिर्फ एक व्यक्ति की है? या फिर यह एक पूरे सिस्टम की विफलता है,जिसने समय रहते न तो जांच की, न निगरानी रखी? अगर जवाब ईमानदारी से ढूंढा जाए,तो उंगलियां कई दिशाओं में उठेंगी।

झुमका की असली तस्वीर

झुमका जलाशय की कहानी किसी एक घटना की कहानी नहीं है, यह उस सोच की कहानी है, जहां विकास को दिखाने पर ज्यादा जोर होता है,सुधारने पर नहीं,आज जो कार्रवाई हो रही है,वह जरूरी है लेकिन पर्याप्त नहीं,जरूरत है कि पारदर्शी जांच की, जिम्मेदारी तय करने की और सबसे महत्वपूर्ण–ईमानदारी से सुधार की वरना झुमका हमेशा एक उदाहरण बना रहेगा–कैसे एक खूबसूरत सपना, लापरवाही और दिखावे की भेंट चढ़ गया,और तब शायद लोग यही कहेंगे झुमका तो बना था चमकने के लिए,लेकिन यहां तो सिस्टम ही झूमता रह गया।

जन-प्रयासों से बदली तस्वीर, सोनहत-कछाड़ी सड़क बनेगी विकास की लाइफलाइन

16 किलोमीटर की सड़क बनेगी विकास की 'लाइफलाइन'

लगभग 16 किलोमीटर लंबा यह मार्ग केवल एक सड़क नहीं, बल्कि कोरिया और सूरजपुर के बीच संपर्क का मजबूत सेतु साबित होगा, इसके पूर्ण होने से,सोनहत से सूरजपुर के छतरंग तक सीधा और सुगम संपर्क स्थापित होगा, सीमावर्ती गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी,व्यापार,शिक्षा,स्वास्थ्य और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा,वनांचल क्षेत्र के गांव मुख्यधारा से तेजी से जुड़ेंगे,यह मार्ग कछाड़ी,सलगवांकला और आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों लोगों के जीवन को सीधे प्रभावित करेगा।

तकनीकी मानकों पर हो रहा निर्माण,गैप को लेकर भ्रम दूर

निर्माण के दौरान पुलिया और रिटर्निंग वॉल के बीच छोड़े गए अंतराल (गैप) को लेकर कुछ लोगों में भ्रम की स्थिति बनी थी, इस पर विभागीय विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी तरह तकनीकी प्रक्रिया का हिस्सा है,पुलिया की दीवार पूरी ऊंचाई तक बनने के बाद इस गैप को वैज्ञानिक तरीके से भरा जाएगा,जिससे संरचना मजबूत और टिकाऊ बने, विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रक्रिया भविष्य में दरार और क्षति से बचाव के लिए जरूरी होती है।

गुणवत्ता पर फोकसः इंजीनियरों की निगरानी में काम

करोड़ों की लागत से बन रही इस सड़क में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है,उच्च गुणवत्ता वाली निर्माण सामग्री का उपयोग,कंक्रीट मिक्स के मानक अनुपात का पालन,नियमित क्योरिंग (तराई) प्रक्रिया,इंजीनियरों की सतत निगरानी,निर्माण स्थल पर सामग्री की जांच समय-समय पर की जा रही है,ताकि कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

-राजन पाण्डेय-
सोनहत/कोरिया,05 मई 2026 (घटती-घटना)। वर्षों से उपेक्षा और जर्जर हालत की मार झेल रहे सोनहत-कछाड़ी मार्ग पर अब विकास की रफ्तार साफ नजर आने लगी है, स्थानीय जन-आवाज,संगठित प्रयास और शासन की त्वरित पहल ने इस सड़क को एक नई पहचान देने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं, लंबे समय से धूल,गड्ढों और खराब रास्तों से परेशान ग्रामीणों के लिए यह निर्माण कार्य उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया है, इस महत्वपूर्ण मार्ग के नवनिर्माण का श्रेय स्थानीय स्तर पर सक्रिय कोरिया जन सहयोग समिति के सतत प्रयासों को भी दिया जा रहा है, जिसने विभिन्न मंचों पर इस मुद्दे को उठाकर शासन तक पहुंचाया,सोनहत-कछाड़ी सड़क निर्माण परियोजना यह दर्शाती है कि जब जन-आवाज और शासन की इच्छाशक्ति एक साथ आती है,तो बदलाव निश्चित होता है,यह सड़क न केवल दूरी कम करेगी,बल्कि वनांचल क्षेत्र के हजारों लोगों के जीवन में विकास,सुविधा और अवसरों की नई राह भी खोलेगी।

समयबद्ध लक्ष्य...जल्द मिलेगी सौगात

विभाग का लक्ष्य है कि निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा कर जनता को समर्पित किया जाए,यदि कार्य इसी गति से जारी रहा, तो जल्द ही यह सड़क क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ी राहत और विकास का नया आधार बनेगी।

जर्जर सड़क से राहतः जनसंघर्ष का मिला परिणाम

सोनहत से कछाड़ी तक का यह मार्ग लंबे समय से खराब स्थिति में था, बारिश के मौसम में यह सड़क कीचड़ और जलभराव से भर जाती थी, जबकि गर्मियों में धूल और गड्ढे लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन जाते थे, ग्रामीणों, किसानों,छात्रों और छोटे व्यापारियों के लिए यह रास्ता रोजमर्रा की चुनौती बन चुका था। ऐसे में जब जन सहयोग समिति ने लगातार इस मुद्दे को उठाया और ज्ञापन सौंपे,तब जाकर शासन ने इस दिशा में गंभीरता दिखाई और निर्माण कार्य शुरू हुआ।

ग्रामीणों में उत्साह,विकास की नई उम्मीद

सड़क निर्माण के चलते क्षेत्र के ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है,जो लोग अब तक खराब सड़क के कारण खुद को विकास से दूर महसूस करते थे,वे अब इस परियोजना से नई उम्मीदें जोड़ रहे हैं,ग्रामीणों का मानना है कि यह सड़क बनने के बाद न केवल आवागमन आसान होगा,बल्कि रोजगार, व्यापार और शिक्षा के अवसर भी बढ़ेंगे।

विकास की धुरी बनेगी यह सड़क : देवेन्द्र तिवारी

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रही यह सड़क क्षेत्र के विकास की धुरी बनेगी, उन्होंने बताया कि सरकार ने जनभावनाओं को प्राथमिकता देते हुए इस सड़क को स्वीकृति दी और अब इसे उच्च तकनीकी मानकों के साथ तैयार किया जा रहा है,उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों पर विभाग को निर्देश दिए गए हैं और पूरी निगरानी रखी जा रही है, ताकि जनता को बेहतर सुविधा मिल सके।

जनभागीदारी से साकार हुआ सपना

जयचंद सोनपाकर ने कहा कि समिति ने इस समस्या को लगातार उठाया,जिसका परिणाम अब जमीन पर दिखाई दे रहा है,उन्होंने बताया कि इस सड़क के पूर्ण होने से हजारों ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा और क्षेत्र में विकास की नई लहर आएगी,वहीं पंच संघ अध्यक्ष प्रेम सागर तिवारी ने इसे ग्रामीण अंचलों के लिए वरदान बताते हुए कहा कि अब पंचायत स्तर के विकास कार्यों को भी गति मिलेगी।

ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ भाजपा का विजय जुलूस

बंगाल जीत की गूंज पटना में

-संवाददाता-
पटना/कोरिया,05 मई 2026 (घटती-घटना)। पश्चिम बंगाल में मिली ऐतिहासिक जीत की खुशी में नगर पंचायत पटना में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार जश्न मनाया,आदर्श चौक से शुरू हुआ विजय जुलूस ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और नारों के बीच नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा,कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय और पार्टी के समर्थन में नारे लगाते हुए पूरे नगर में उत्सव का माहौल बना दिया,जुलूस के दौरान व्यापारियों और आम जनता को मिठाई बांटकर जीत की बधाई दी गई।

नगर भ्रमण में दिखा उत्साह, गुलाल और नृत्य से सजा माहौल

नगर भ्रमण के दौरान भाजपा कार्यकर्ता नाचते-झूमते नजर आए,कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने गुलाल खेलकर अपनी खुशी का इजहार किया, पूरे शहर में उत्सव जैसा माहौल बन गया, जहां हर वर्ग के लोग इस जश्न में शामिल होते दिखाई दिए।

प्रमुख नेताओं की रही उपस्थिति

इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे,प्रमुख रूप से वरिष्ठ नेता रविशंकर शर्मा,नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सिंह,मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव,योगेंद्र मिश्रा,महामंत्री सत्यम साहू,सच्चिदानंद द्विवेदी,नगर पंचायत उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, पप्पू साहू,गणेश यादव,विनोद साहू,रेखा वर्मा, वर्षा साहू,प्रियंका सोनी,राकेश गुप्ता,श्रीराम राजवाड़े,सुनील सिंह,सुरेंद्र कुशवाहा, रमेश पोया,अमित सिंह,भरत देवांगन,तुलाचंद गुप्ता, जय राजवाड़े,अर्पित वर्मा,अंशु देवांगन, संजय साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनता से जुड़ाव का संदेश

कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह जीत केवल राजनीतिक सफलता नहीं,बल्कि जनता के विश्वास और विकास के प्रति समर्थन का प्रतीक है,पटना नगर में निकला यह विजय जुलूस भाजपा कार्यकर्ताओं के उत्साह और संगठन की मजबूती को दर्शाता है,ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और मिठाई वितरण के साथ मनाया गया यह जश्न पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

जनदर्शन में पहुंचे 18 मामले भूमि विवाद से लेकर अतिक्रमण तक उठे मुद्दे,अपर कलेक्टर ने दिया त्वरित समाधान का निर्देश

-संवाददाता-
एमसीबी,05 मई 2026 (घटती-घटना)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में आज जिलेभर से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और उनके त्वरित निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। जनदर्शन की सुनवाई कलेक्टर अनिल कुमार सिदार ने की, उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुनते हुए संबंधित विभागों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए।

आज आयोजित जनदर्शन में कुल 18 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें भूमि विवाद, नाम सुधार,अतिक्रमण,निर्माण कार्य रोकने, शिकायतों पर कार्रवाई न होने,पट्टा संबंधी मामले, किरायेदार विवाद तथा पेड़ कटाई अनुमति जैसे महत्वपूर्ण विषय प्रमुख रूप से सामने आए। जनदर्शन में बिछियाटोला निवासी दीपनारायण ने

पट्टा जारी होने के बावजूद तीन वर्षों से नाम सुधार न होने की समस्या उठाई। वहीं पोंडी निवासी अजमेर सिंह ने पट्टे की भूमि पर हो रहे सड़क निर्माण को रोकने की मांग की। चिरमिरी के आशीष सिंह ने किरायेदार द्वारा मकान पर कब्जा करने की शिकायत दर्ज कराई। साल्हि के राम सिंह एवं केवल सिंह ने भूमि संबंधी विवादों को प्रशासन के समक्ष रखा। मनेन्द्रगढ़ के नईम खान ने शिकायतों को दबाए जाने का आरोप लगाते हुए जानकारी मांगी,जबकि नागपुर क्षेत्र के वार्डवासियों ने पोल्ट्री फार्म निर्माण पर रोक लगाने की मांग प्रस्तुत की। देवाडांड निवासी चंद्रप्रताप ने संबंधित पटवारी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की,वहीं हस्तिनापुर के शोभित सिंह ने अपनी भूमि पर स्थित सागौन वृक्षों की कटाई अनुमति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का सूक्ष्म परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों में निष्पक्षता,जवाबदेही एवं पारदर्शिता के साथ कार्रवाई की जाए,ताकि नागरिकों को अनावश्यक भटकाव का सामना न करना पड़े और उन्हें समय पर न्याय मिल सके। जनदर्शन कार्यक्रम एक बार फिर प्रशासन और आमजन के बीच संवाद का प्रभावी मंच साबित हुआ,जहां लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनके समाधान की दिशा में ठोस पहल की गई। यह पहल सुशासन, जनविश्वास एवं जवाबदेह प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

---

22 लाख की फिरौती के लिए महिला का अपहरण

सूरजपुर पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 मई 2026 (घटती-घटना)। जिले में अपहरण और फिरौती से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें 22 लाख रुपये की फिरौती मांगने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है,त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अपहृत महिला को सुरक्षित बरामद कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है, जबकि एक अन्य आरोपी अब भी फरार है जिसकी तलाश जारी है। सूरजपुर पुलिस की तत्परता और रणनीतिक कार्रवाई के चलते एक बड़ा अपराध होने से टल गया और महिला की जान बच सकी, यह मामला यह भी दर्शाता है कि परिचित व्यक्ति द्वारा की गई साजिश कितनी खतरनाक हो सकती है, पुलिस ने आम नागरिकों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

घर में अकेली महिला को बनाया निशाना

घटना 29 अप्रैल 2026 की है,जब प्रार्थी अपने ड्राइवर के साथ वाहन मरम्मत के लिए अंबिकापुर गया हुआ था,घर पर उसकी पत्नी अकेली थी। दोपहर करीब 1 बजे महिला ने पति को फोन कर घर आने का समय पूछा,जब प्रार्थी शाम करीब 3:30 बजे घर लौटा तो पत्नी घर पर नहीं मिली,काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका पता नहीं चला,तभी करीब 3:50 बजे महिला के मोबाइल से एक अज्ञात कॉल आया,फोन करने वाले ने 22 लाख रुपये की फिरौती की मांग करते हुए धमकी दी कि पैसे नहीं देने पर महिला को नहीं छोड़ा जाएगा। इस पर थाना सूरजपुर में मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।

पूर्व ड्राइवर निकला मास्टरमाइंड

जांच के दौरान पुलिस को बड़ा सुराग मिला। पकड़े गए आरोपी रौशन देवांगन ने पूछताछ में बताया कि वह प्रार्थी के यहां करीब 18 महीने तक ड्राइवर का काम कर चुका था,उसे यह जानकारी थी कि प्रार्थी एसईसीएल से रिटायर हुआ है और उसे अच्छी-खासी रकम मिली है। इसी लालच में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर अपहरण की योजना बनाई,योजना के तहत आरोपी अपने साथियों के साथ घर पहुंचे, महिला से पानी मांगा और मौका पाकर उसे घर के अंदर ही बंधक बना लिया। मुंह और आंखों पर टेप लगाकर हाथ-पैर बांध दिए और मोटरसाइकिल से उसे डुमरिया स्थित अपने ठिकाने पर ले गए।

फिरौती कॉल और पुलिस का दबाव

आरोपियों ने महिला के मोबाइल से प्रार्थी को कॉल कर 22 लाख रुपये की मांग की और फिर मोबाइल बंद कर दिया,इधर,मामला सामने आते ही पुलिस हरकत में आई। डीआईजी एवं एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन में तीन विशेष टीमें गठित की गईं। पुलिस ने सघन पेट्रोलिंग,सायरन और तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपियों पर दबाव बनाना शुरू किया।

डर के चलते महिला को छोड़कर भागे आरोपी

लगातार पुलिस दबाव और पकड़े जाने के डर से आरोपी घबरा गए और महिला को डुमरिया से पर्री-चंदरपुर बाईपास रोड पर घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए,आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए महिला को ढंकने में इस्तेमाल कंबल, रस्सी और टेप को वहीं जला दिया।

घायल अवस्था में महिला पहुंची सुरक्षित, पुलिस ने कराया इलाज

पीड़िता किसी तरह पास के एक घर पहुंची और वहां से अपने पति को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला को तत्काल जिला चिकित्सालय सूरजपुर में भर्ती कराया।

तकनीकी जांच से आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और पीड़िता के बयान के आधार पर मुख्य आरोपी रौशन देवांगन को मानपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया, इसके बाद दूसरे आरोपी शेख इशू को भी बिलासपुर की ओर भागते समय केतका में घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

बरामद हुए सबूत,तीसरे आरोपी की तलाश जारी

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने अपहृता का मोबाइल,घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और स्कूटी,रस्सी,टेप तथा जले हुए कंबल के अवशेष बरामद किए हैं,दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक कार्रवाई की जा रही है, जबकि फरार तीसरे आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

पूरे ऑपरेशन में पुलिस की सक्रियता और त्वरित कार्रवाई अहम रही। यह कार्रवाई सीएसपी बेनार्ड कुजूर और एसडीओपी अभिषेक पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी विमलेश दुबे सहित पुलिस टीम द्वारा की गई।

किसी ने नहीं लिया पैसा,राजा शिवाजी की कास्ट को लेकर रितेश देशमुख का खुलासा

सलमान-संजय ने फ्री में किया काम

अभिनेता रितेश देशमुख ने हाल ही में ये खुसासा किया है कि उनकी लेटेस्ट फिल्म राजा शिवाजी के लिए कास्ट ने कोई भी पैसा नहीं लिया है। मौजूदा समय में अभिनेता रितेश देशमुख की लेटेस्ट मराठी फिल्म राजा शिवाजी सिनेमाघरों में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है। मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की बायोपिक के तौर पर इस फिल्म में कई कलाकारों ने काम किया है। इस बीच रितेश ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि इस मूवी को बनाने के लिए उन्होंने कितने सालों तक कड़ी मेहनत की है और कास्ट में किसी ने कोई फीस नहीं ली।

राजा शिवाजी पर बोले रितेश

फिल्म राजा शिवाजी को लेकर रितेश देशमुख का नाम चर्चा में बना हुआ है। छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका में रितेश काफी अच्छे लगे हैं और हर कोई उनकी फिल्म की प्रशंसा कर रहा है। ऐसे में मूवी को लेकर रितेश देशमुख का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा है- मूल रूप से मराठी फिल्म होने नाते महाराष्ट में इसे सबसे ज्यादा स्क्रीन मिली हैं। हमने महाराज के बारे में लिखी सभी किताबें पढ़ी हैं। उनका इतिहास इतना विशाल है कि उसे सिर्फ एक फिल्म में समेटना मुमकिन नहीं है। हमारा काम यह था कि हम इतिहास के साथ कोई समझौता किए बिना इस मूवी को दर्शकों के सामने पेश करें। सलमान खान मेरे भाई हैं। वह मेरी दोनों ही फिल्मों में नजर आए हैं। मैं पिछले साढ़े तीन सालों से इसकी कहानी लिखने पर काम कर रहा था। इस फिल्म में सभी बड़े कलाकारों ने बिना कोई फीस लिए काम किया है। हर किसी ने महाराज के लिए यह काम पूरी तरह से फ्री में किया है।

राजा शिवाजी की कास्ट

गौर किया जाए राजा शिवाजी का कास्ट की तरफ तो ये एक मल्टी स्टारर मूवी है। रितेश देशमुख की राजा शिवाजी फिल्म हिंदी और मराठी सिनेमा के शानदार कलाकारों को एक साथ लाती है,जिसमें संजय दत्त,विद्या बालन,फरदीन खान,अभिषेक बच्चन,बोमन ईरानी, भाग्यश्री,महेश मांजरेकर,सचिन खेडेकर,जेनेलिया देशमुख,जीतेंद्र जोशी और अमोल गुप्ते जैसे सितारे शामिल हैं। बता दें कि लीड एक्टर के अलावा रितेश ने इस मूवी के डायरेक्शन की कमान भी संभाली है।

अमीषा पटेल ने मिसाइल हमले के बीच मुंबई फ्लाइट मस्कट डायवर्ट होने पर डर शेयर किया : यह युद्ध कब खत्म होगा?

एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने हाल ही में हवा में एक टेंशन वाला एक्सपीरियंस शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि न्यूयॉर्क से दुबई होते हुए मुंबई जाने वाली उनकी एमिरेट्स फ्लाइट को मिडिल ईस्ट में बढ़ते जियोपॉलिटिकल टेंशन की वजह से अचानक डायवर्ट कर दिया गया था; सोमवार को, यूनाइटेड अरब एमिरेट्स ने ईरान पर मिसाइलों और ड्रोन की बौछार करने का आरोप लगाया, जो 8 अप्रैल को तेहरान और यूनाइटेड स्टेट्स के सीज़फ़ायर पर सहमत होने के बाद पहला ऐसा हमला था। अपने एक्स (पहले ट्विटर) पर, अमीषा ने 4 मई को लिखा, एमिरेट्स से न्यूयॉर्क से मुंबई वापस आ रही हूँ! जैसे ही हम दुबई में लैंड करने वाले थे यूएई में नए मिसाइल अटैक की वजह से एयरस्पेस बंद हो गया! हमें अब मस्कट डायवर्ट कर दिया गया है और आगे के अपडेट का इंतज़ार है!! यह जंग कब खत्म होगी!! दुआ कर रही हूँ। हाल ही में एक पोस्ट में, उन्होंने दुबई एयरपोर्ट लाउंज में बैठे डीजे चेतस के साथ एक फ़ोटो शेयर की और लिखा, एनवाईसी से निकले 24 घंटे हो गए हैं और मुंबई पहुँचने में अभी भी घंटे गिन रहे हैं। दुबई। एयरपोर्ट लाउंज में कभी न खत्म होने वाला समय। एक्ट्रेस ने लिखा,दुबई एयरपोर्ट पर घंटों हो गए हैं!! और इंतज़ार जारी है...मुंबई घर जाने का इंतज़ार नहीं कर सकती।

31 साल बाद चर्चा में आई सलमान खान की हीरोइन

पाई-पाई को हुई मोहताज, गंभीर बीमारी ने बदली जिंदगी

सुपरस्टार सलमान खान की एक को-स्टार एक्ट्रेस मौजूदा समय में बहुत बुरे हाल में जीवन बिता रही हैं। सलमान खान वह सुपरस्टार हैं,जिन्होंने कई अभिनेत्रियों को लॉन्च किया है। उनके साथ स्क्रीन शेयर करने वालीं कई अदाकाराएं ऐसी हैं, जो आज लेडी सुपरस्टार के तौर पर जानी जाती हैं,तो दूसरी तरफ कई एक्ट्रेसेज ऐसी हैं, जो गुमनामी के अंधेरे में गुम होकर रह गई हैं।

इस आधार पर आज हम आपको सलमान खान की उस को-स्टार के बारे में बताने जा रहे हैं,जिन्होंने 16 साल की उम्र में बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री मारी थी। लेकिन एक गंभीर बीमारी ने उनका जीवन पूरी तरह से बदलकर रख दिया है।

बुरे हाल में सलमान की हीरोइन

जिस एक्ट्रेस के बारे में इस लेख में जिक्र किया जा रहा है, वह सलमान खान के साथ फिल्म वीरगति में नजर आई थीं और उनका नाम पूजा डडवाल है। 1995 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली सलमान की कल्ट मूवी वीरगति में अदाकारा ने पूजा का किरदार अदा किया था और वह इस मूवी के बाद रातोंरात स्टार बन गईं। सलमान खान की फिल्म से लोकप्रियता हासिल करने वालीं पूजा डडवाल मौजूदा समय में बुरे हाल में हैं। ई टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक वह मुंबई में एक चॉल में रह रही हैं, जिसके कमरे का साइज 10×10 का है। ऐसे समय पर सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री रहने वालीं पूजा आज पाई-पाई को मोहताज हैं और उनकी आर्थिक हालत बहुत खराब है। साल 2018 में एक खबर सामने आई थी कि सलमान खान की हीरोइन पूजा डडवाल टीबी जैसी गंभीर बीमारी का शिकार हो गई हैं और उनके पास इलाज के लिए पैसे भी नहीं हैं। उस दौरान सलमान ने दरियादिली दिखाई और पूजा के इलाज का खर्चा उठाया। इस मामले को लेकर पूजा ने एक वीडियो जारी रख सलमान खान को थैंक्यू बोला था।

पेट भरने के लिए किया ये काम

पूजा ने इस बात की जानकारी भी दी थी कि बीमारी की वजह से उनके पति ने भी उन्हें छोड़ दिया था। बता दें कि पेट भरने के लिए पूजा डडवाल ने टिफिन सर्विसेज का काम भी शुरू किया। ऊपर दी गई तस्वीरों को देखकर ये साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि पूजा का लुक अब पूरी तरह से बदल गया है और उनकी हालत क्या से क्या हो गई है। उनकी पॉपुलर मूवीज के बारे में जिक्र किया तो उसमें जीने नहीं दूंगी, मैडम नंबर-1, मृत्यु द मिथ और वीरगति के नाम शामिल हैं।

इरफ़ान खान की अनरिलीज़्ड फिल्म 'द लास्ट टेनेंट' 25 साल बाद यू-ट्यूब पर रिलीज़

बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता इरफ़ान खान की एक पुरानी और पहले कभी रिलीज़ नहीं हुई फिल्म द लास्ट टेनेंट आखिरकार दर्शकों के सामने आ गई है। यह फिल्म अब द सॉल्ट इंक के आधिकारिक यू-ट्यूब चैनल पर उपलब्ध कराई गई है, जिससे फिल्म प्रेमियों में खास उत्साह देखा जा रहा है। यह फिल्म वर्ष 2000 में पूरी कर ली गई थी, लेकिन किसी कारणवश उस समय रिलीज़ नहीं हो पाई थी। करीब 25 साल बाद इसे 29 अप्रैल को इरफ़ान खान की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर एक श्रद्धांजलि के रूप में रिलीज़ किया गया। इस फिल्म को सार्थक दासगुप्ता ने लिखा और निर्देशित किया था। द लास्ट टेनेंट एक 43 मिनट की शॉर्ट फिल्म है, जिसमें इरफ़ान खान के साथ अभिनेत्री विद्या बालन भी नजर आती हैं। उस समय विद्या बालन टेलीविजन शो हम पाँच के जरिए दर्शकों के बीच अपनी पहचान बना रही थीं। इस फिल्म को इरफ़ान खान के शुरुआती करियर के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक माना जा रहा है। फिल्म के रिलीज़ के साथ साझा किए गए संदेश में बताया गया कि कुछ फिल्में कभी खोती नहीं हैं, वे सिर्फ समय का इंतजार करती हैं।

डराने की तैयारी में आलिया भट्ट

आलिया भट्ट अब जल्द ही हॉरर जॉनर में कदम रख रही हैं। 2018 में रिलीज हुई सफल हॉरर फ्रेंचाइजी फिल्म का एक्ट्रेस हिस्सा बनी हैं, जिसकी शूटिंग उन्होंने शुरू कर दी है। साल 2026 और 2027 के लिए आलिया भट्ट के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं,जिनमें यशराज फिल्म्स की स्पाई थ्रिलर अल्फा और संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर शामिल हैं। इसी बीच एक्ट्रेस के हाथ अब एक और बेहद सफल फ्रेंचाइजी लग गई है। इस मूवी में उनका रोल बहुत बड़ा तो नहीं है,लेकिन काफी पावरफुल जरूर है। कौन-सी है वह सफल हॉरर फ्रेंचाइजी, जिससे पटाखा गुड्डी जुड़ने जा रही हैं? पिंकविला की एक्सक्लूसिव रिपोर्ट की मानें तो, एक्शन से लेकर रोमांस और कई सीरियस रोल्स करने के बाद अब आलिया भट्ट तुम्बाड़ 2 के साथ हॉरर वर्ल्ड में कदम रखने जा रही हैं।

खेल समाचार

आईसीसी टी 20 रैंकिंग में भारत नंबर-1 पर कायम, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दूसरे-तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली,05 मई 2026। भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में अपना दबदबा कायम रखते हुए आईसीसी टी20 टीम रैंकिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज़ और टीम के लगातार शानदार प्रदर्शन के बाद भारत ने अपनी नंबर-1 पोज़िशन को मजबूत बनाए रखा है। भारतीय टीम का यह प्रदर्शन ऐसे समय में आया है जब उसने हाल ही में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत ने हाल में समाप्त हुए आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप में तीसरी बार खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि यह पहली बार है जब किसी मेज़बान देश ने टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रही सफलताओं का असर टीम की रैंकिंग पर भी साफ दिखाई दे रहा है। आईसीसी द्वारा जारी ताज़ा रैंकिंग में भारत ने अपने स्थान को और मजबूत करते हुए शीर्ष पर कब्जा बनाए रखा है। टीम का संतुलित प्रदर्शन, बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी दोनों विभागों में निरंतरता इसकी बड़ी वजह मानी जा रही है। रैंकिंग सूची में इंग्लैंड दूसरे स्थान पर बना हुआ है। इंग्लिश टीम ने पिछले कुछ वर्षों में टी20 प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन भारत की निरंतर जीतों के कारण वह नंबर-1 स्थान हासिल नहीं कर पाई। वहीं ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर मौजूद है, जो अपनी मजबूत टीम संयोजन और अनुभव के कारण शीर्ष तीन में अपनी जगह बनाए हुए है।

आर अश्विन का ट्रोल को जवाब,जाति और वंश आधारित टिप्पणियों पर जताई नाराज़गी

नई दिल्ली,05 मई 2026। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक ट्रोल को करारा जवाब दिया, जिसमें उन्होंने जाति और वंश आधारित टिप्पणियों पर अपनी स्पष्ट राय रखी। यह मामला तब सामने आया जब एक यूज़र ने तमिलनाडु में टीव्हीके नेता विजय के राजनीतिक प्रदर्शन को लेकर अश्विन को बधाई देने पर उन्हें ट्रोल किया। सोशल मीडिया यूज़र ने अश्विन के पोस्ट पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए उन्हें ब्राह्मण जो द्रविड़ शासन से डरता है जैसे शब्दों से निशाना बनाया। इस टिप्पणी को जातिगत संदर्भ से जोड़ते हुए अश्विन ने इसका जवाब दिया और अपने विचार स्पष्ट रूप से सामने रखे। अश्विन ने ट्रोल के जवाब में लिखा कि उन्होंने पहले भी कहा है और आगे भी कहेंगे कि किसी व्यक्ति का जन्म किस परिवार या जाति में हुआ, यह उसके नियंत्रण में नहीं होता। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि वे ऐसे माता-पिता के घर जन्मे हैं, जिन्होंने उन्हें अच्छे संस्कार और शिक्षा दी। उन्होंने आगे लिखा कि नेतृत्व का असली मतलब दूसरों के संघर्षों को समझना और बाधाओं को पार करके आगे बढ़ना होता है। अश्विन ने यह भी कहा कि यही मूल्य उन्हें उनके माता-पिता और शिक्षकों ने सिखाए हैं।

20 साल के नेपाली खिलाड़ी का कहर

क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में ओमान को घुटनों पर ले आया

काठमांडू,05 मई 2026। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में नेपाल ने ओमान को एकतरफा 81 रन से हरा दिया। नेपाल की इस जीत में गेंदबाजी में गुलशन झा ने कमाल गेंदबाजी की। उन्होंने 5 विकेट लिए। नेपाल- आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में आज यानी 5 मई को नेपाल और ओमान का मुकाबला कीर्तपुर के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में खेला गया। यह मैच नेपाल ने जीत लिया। नेपाल ने ओमान को 81 रन से हरा दिया। नेपाल के लिए गेंदबाजी में ऑलराउंडर गुलशन झा ने शानदार गेंदबाजी की।

गुलशन झा ने खोला पंजा

ओमान की टीम को नेपाल ने 257 रन का टारगेट दिया था। हालांकि इस लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान की टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और 39.5 ओवर में 175 रन के स्कोर पर ही ऑल आउट हो गई। ऑलराउंडर गुलशन झा ने ओमान को ऑल आउट करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पंजा खोला।

गुलशन ने हसनैन उल वाहब, आर्यन बिष्ट, जितेन रमानंदी, विनायक शुक्ला और हसनैन शाह को आउट किया। गुलशन झा के अलावा 1-1 विकेट करण केसी, नंदन यादव, संदीप लामिछाने और दीपेंद्र सिंह एरी ने लिया। हम्माद मिर्जा ने ओमान के लिए सबसे ज्यादा 34 रन बनाए।

कुछ ऐसी रही नेपाल की पारी

बता दें कि नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया था। नेपाल पहले बैटिंग करते हुए 49.5 ओवर में 256 रन बनाकर ऑल आउट हो गई थी। ओपनर आसिफ शेख ने नेपाल के लिए सबसे ज्याजा 94 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 5 छक्के लगाए। अर्जुन कुमाल ने 48 तो आरिफ शेख ने 43 रन बनाए। दीपेंद्र सिंह एरी ने 33 रन बनाए। ओमान के लिए सर्वाधिक 3 विकेट नदीम खान ने लिए। 2-2 विकेट शकील अहमद ने लिए। 1-1 विकेट जितेन रमानंदी और आर्यन बिष्ट ने लिया।

गुलशन झा का करियर

गुलशन झा ने नेपाल के लिए वनडे में 2021 तो टी20 में 2022 में डेब्यू किया था। उसके बाद से अब तक उन्होंने 43 वनडे और 57 टी20 मैच खेले हैं। वनडे में गुलशन ने 801 रन बनाए हैं और 39 विकेट लिए हैं जबकि टी20 में 669 रन बनाए हैं और 29 विकेट झटके हैं।

सिएटल पहली बार 2026 फीफा वर्ल्ड कप की मेज़बानी करेगा

सिएटल,05 मई 2026। नॉर्थ अमेरिका में कुछ ही शहर सिएटल से बेहतर गर्मियों के मौसम का दावा कर सकते हैं। यह पैसिफिक नॉर्थवेस्ट में बसा है,जहाँ मेमोरियल डे के बाद आसमान में धूप खिली रहती है और नमी भी कम होती है। लेकिन एमराल्ड सिटी, जो अपने इतिहास में पहली बार 2026 FIFA वर्ल्ड कप होस्ट करेगा, अपने टेम्परेचर क्लाइमेट के अलावा और भी कई वजहों से एक डेस्टिनेशन सिटी है। लैंडमार्क/देखने की जगहें सिएटल की ट्रिप स्पेस नीडल जाए बिना पूरी नहीं होती, जिसे 2018 में .100 मिलियन में रेनोवेट किया गया था। पाइक प्लेस मार्केट, जो यूनाइटेड स्टेट्स के सबसे पुराने लगातार चलने वाले पब्लिक फार्मर्स मार्केट में से एक है, हमेशा टूरिस्ट और लोकल लोगों से भरा रहता है। गैस वर्क्स पार्क और केरी पार्क दोनों से शहर के शानदार नज़ारे दिखते हैं। सिएटल में खाने-पीने की जगहें सिएटल के बहुत सारे सीफ़ूड रेस्टोरेंट से बेहतर कोई मेट्रो एरिया नहीं है, जिनमें ताज़े ऑयस्टर परोसने वाले डाइव बार से लेकर अलास्कन किंग क्रैब लेग्स परोसने वाली बढ़िया जगहें शामिल हैं। इस इलाके में बहुत सारे जापानी और हवाईयन रेस्टोरेंट भी हैं, जिनमें से कई ताज़े सुशी रोल और चिकन टेरीयाकी में स्पेशलाइज़ करते हैं। किसी भी शाम को मॉली मून की आइसक्रीम पर जाना सबसे अच्छा होता है, जो वहाँ के लोगों की पसंदीदा है। फैन ज़ोनसिएटल के बाहर, वाशिंगटन राज्य में नौ फैन ज़ोन होंगे बेलिंगहैम, ब्रेमरटन, एवरेट, ओलंपिया, टैकोमा, स्पोकेन, पास्को, वैंकूवर और याकिमा में। वे सभी इस बात में काफ़ी अलग होंगे कि वे क्या ऑफ़र करेंगे, और कहाँ होंगे। स्पोकेन का फैन ज़ोन स्पोकेन नदी के बीच में एक आइलैंड पर है। इस बीच, पुयालुप ट्राइबल हेडक्वार्टर, टैकोमा के फैन ज़ोन को होस्ट करेगा। ट्रांसपोर्टेशन ऑप्शनसिएटल में एक पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम है जो यूनाइटेड स्टेट्स के बेहतर सिस्टम में से एक है। सिएटल मेट्रोपॉलिटन एरिया में एक लाइट रेल सिस्टम,द लिंक,की 1 लाइन है,जो स्टेडियम स्टेशन पर रुकती है,जो सिएटल स्टेडियम से बस कुछ ब्लॉक दूर है।

बाबर आज़म सभी फ़ॉर्मेट में खेलने को तैयार

लाहौर ,05 मई 2026। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आज़म ने साफ़ कर दिया है कि उनका खेल के किसी भी फ़ॉर्मेट से हटने का कोई इरादा नहीं है, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह खिलाड़ी का काम नहीं है कि वह तय करे कि क्या छोड़ना है, बल्कि जब भी ज़रूरत हो खेलने के लिए तैयार रहना है। बाबर, जो सालों से सभी फ़ॉर्मेट में पाकिस्तान के लिए एक अहम खिलाड़ी रहे हैं, हाल ही में खराब फ़ॉर्म से गुज़रे हैं, लगातार रन बनाने में संघर्ष कर रहे हैं। इस साल की शुरुआत में आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप के दौरान भी उनका फ़ॉर्म गिर गया था, जहाँ वह बल्ले से कोई खास असर नहीं डाल पाए थे। हालांकि,31 साल के इस खिलाड़ी ने पाकिस्तान सुपर लीग में फिर से फ़ॉर्म पाया,और पेशावर ज़ालमी को खिताब दिलाया। वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर रहे, उन्होंने 11 मैचों में दो सेंचुरी सहित रिकॉर्ड के बराबर 588 रन बनाए।

झारखंड शराब घोटाले में टुटेजा को अग्रिम जमानत

हाईकोर्ट की शर्त-जांच में सहयोग करें,बाधा डाली तो एजेंसी को बेल रद्द कराने की छूट

बिलासपुर,05 मई 2026। निलंबित आईएएस अनिल टुटेजा को कथित झारखंड शराब घोटाला मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राहत मिल गई है। जस्टिस पीपी साहू ने उन्हें अग्रिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने अनिल टुटेजा को 50 हजार रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो सॉल्वेंट जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। साथ ही उन्हें जांच में सहयोग करने और गवाहों को प्रभावित न करने की सख्त हिदायत दी गई है। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर अनिल टुटेजा जांच में सहयोग नहीं करते हैं, तो जांच एजेंसी को उनकी जमानत रद्द कराने के लिए आवेदन करने की छूट होगी। बता दें कि करीब एक सप्ताह पहले छत्तीसगढ़ के चर्चित डीएमएफ घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे अनिल टुटेजा की जमानत याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। ऐसे में इस मामले में जमानत मिलने के बावजूद अनिल टुटेजा का जेल से बाहर आना फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है।

अनिल टुटेजा पर ये है आरोप

दरअसल,आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने अनिल टुटेजा पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और आईपीसी की धारा 420, 120B के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि टुटेजा और अन्य आरोपियों ने झारखंड में छत्तीसगढ़ के आबकारी मॉडल की तर्ज पर अवैध शराब का कारोबार चलाने के लिए सिंडिकेट बनाया था। इस सिंडिकेट ने झारखंड की आबकारी नीति में बदलाव करवाकर अपने पसंदीदा ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया और करोड़ों रुपए का अवैध कमीशन कमाया।

गिरफ्तारी से बचने लगाई अग्रिम जमानत अर्जी

अनिल टुटेजा ने इस मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी, जिसमें तर्क दिया गया कि यह एवरग्रीन अरेस्ट यानी हमेशा जेल में रखने की साजिश का मामला है। जब भी एक मामले में जमानत मिलने वाली होती है तो जेल में रखने के लिए एक नई एफआईआर दर्ज कर दी जाती है।

छापेमारी में नहीं मिली कोई अवैध संपति

याचिका में बताया गया कि पिछले 5 सालों में 5 अलग-अलग एजेंसियों ने छापेमारी की, लेकिन टुटेजा के पास से एक भी रुपए की बेहिसाब संपति नहीं मिली। जांच एजेंसी के पास कोई डिजिटल सबूत, कॉल रिकॉर्ड या वित्तीय लेनदेन का प्रमाण भी नहीं है, जो अनिल टुटेजा को झारखंड के अधिकारियों से जोड़ता हो।

राज्य सरकार ने कहा...टुटेजा ही हैं मास्टरमाइंड

राज्य सरकार की ओर से जमानत का विरोध करते हुए अनिल टुटेजा को चावल मिलिंग, डीएमएफ, कोयला और शराब जैसे कई घोटालों का मास्टरमाइंड बताया गया। सरकार का तर्क था कि टुटेजा ने रायपुर में बैठकें कर झारखंड के अधिकारियों के साथ साजिश रची, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ।

हाईकोर्ट ने किन शर्तों पर दी है जमानत

हाईकोर्ट ने तथ्यों के आधार पर पाया कि टुटेजा पिछले दो सालों से जेल में हैं, लेकिन ईओडब्ल्यू ने इस नए मामले में उनसे पूछताछ करने का कोई प्रयास नहीं किया। हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि जब वे पहले से ही न्यायिक हिरासत में थे,तो जांच एजेंसी ने उसे पूछताछ के लिए बुलाने या गिरफ्तार करने की अनुमति कोर्ट से क्यों नहीं मांगी।

9 मई को लगेगी नेशनल लोक अदालत

रायपुर,05 मई 2026। कोर्ट में लंबे समय से चल रहे मामलों को जल्दी खत्म करने के लिए 9 मई 2026 को नेशनल लोक अदालत लगाई जाएगी। वहीं, सुप्रीम कोर्ट भी 'समाधान समारोह' नाम से एक खास अभियान चला रहा है, जिसमें आपसी समझौते से पुराने केस सुलझाए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट चाहता है कि, लोगों को जल्दी और आसान न्याय मिले। इसी वजह से 'स्पेशल लोक अदालत' का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य कार्यक्रम 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को सुप्रीम कोर्ट में होगा।

पुराने केस आपसी सहमति से सुलझेंगे

इस अभियान में ऐसे मामलों को शामिल किया जाएगा, जिन्हें दोनों पक्ष आपसी बातचीत से खत्म करना चाहते हैं। इसके लिए राज्य, जिला और तहसील स्तर पर पहले से बैठकें शुरू हो चुकी हैं। बातचीत और समझौते की प्रक्रिया 21 अप्रैल से चल रही है।

घर बैठे भी शामिल हो सकेंगे लोग

लोक अदालत और सुलह बैठकों में लोग खुद जाकर भी शामिल हो सकते हैं और ऑनलाइन भी जुड़ सकते हैं। इसमें विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी और प्रशिक्षित मध्यस्थ दोनों पक्षों को समझौता कराने में मदद करेंगे। अगर कोई व्यक्ति अपने केस को इस स्पेशल लोक अदालत में शामिल कराना चाहता है, तो उसे सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जाकर गूगल फॉर्म भरना होगा। इसकी आखिरी तारीख 31 मई 2026 रखी गई है।

रायपुर में 136 पुलिसकर्मियों का तबादला

इसमें 2 सब-इंस्पेक्टर,16एएसआई और 118 हेड कांस्टेबल-कांस्टेबल शामिल

रायपुर,05 मई 2026। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में प्रशासनिक कसावट लाने के उद्देश्य से बड़े स्तर पर तबादले किए गए हैं। पुलिस कमिश्नर कार्यालय की ओर से जारी आदेश में 136 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को एक थाने से दूसरे थाने में ट्रांसफर किया गया है। जारी सूची के अनुसार, इनमें 2 सब-इंस्पेक्टर, 16 असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर और 118 हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल शामिल हैं। सभी को अलग-अलग थानों और इकाइयों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह फेरबदल कार्यप्रणाली को अधिक मजबूत बनाने और कानून-व्यवस्था को बेहतर करने के उद्देश्य से किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है, जिससे पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है।

छत्तीसगढ़ सेक्रेटरी का फेक साइन कर 1.5 करोड़ ठगे

टीचर-चपरासी ने फर्जी जॉब लेटर व्हाट्सऐप पर वायरल किया,लोगों से पैसे लिए,अरेस्ट

रायपुर,05 मई 2026। राजधानी रायपुर में टीचर और चपरासी ने मिलकर 34 लोगों से 1.5 करोड़ रुपए की ठगी की है। आरोपियों ने गवर्नमेंट जॉब का फर्जी नियुक्ति आदेश तैयार कर सोशल मीडिया पर वायरल किया, इसके झांसे में आकर कई बेरोजगारों ने पैसे दे डाले, जब नौकरी नहीं लगी तो थाने पहुंचे। मामला राखी थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव में ठगी की प्लानिंग की थी। फर्जी आदेश में सचिव और उप-सचिव के डिजिटल हस्ताक्षरों का भी इस्तेमाल किया गया था। आरोपियों की पहचान डोंगरगढ़ के रहने वाले राजेश शर्मा और मनोज कुमार श्रीवास्तव के रूप में हुई है। राजेश सरकारी शिक्षक है, जबकि मनोज प्राइवेट स्कूल का क्लर्क है।

सामान्य प्रशासन विभाग के नाम पर तैयार किया आदेश

जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने सामान्य प्रशासन विभाग के नाम से फर्जी आदेश तैयार किया था। इस आदेश में परिवहन, राजस्व, वन, पंचायत और स्कूल शिक्षा विभाग में भर्ती का

जिक्र किया गया था। आदेश को असली दिखाने के लिए सचिव और उप-सचिव के डिजिटल हस्ताक्षर का भी दुरुपयोग किया गया। यह फर्जी आदेश सोशल मीडिया, खासकर व्हाट्सऐप पर वायरल किया गया,जिसके जरिए बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे मोटी रकम वसूली गई,लेकिन उनकी नौकरी नहीं लगी। इसके बाद पीड़ितों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

मोबाइल डेटा के आधार पर आरोपियों की पहचान

जांच के दौरान तकनीकी सबूतों और मोबाइल डेटा के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की। दोनों आरोपी डोंगरगढ़ के रहने वाले हैं। इनमें राजेश शर्मा शासकीय शिक्षक है, जबकि मनोज कुमार श्रीवास्तव निजी स्कूल में क्लर्क है। पुलिस टीम ने डोंगरगढ़ पहुंचकर दोनों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव के कारण उन्होंने यह ठगी की योजना बनाई थी। कंप्यूटर के जरिए फर्जी नियुक्ति आदेश तैयार कर उसे मोबाइल के माध्यम से लोगों तक भेजा जाता था।

आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कंप्यूटर सेट, प्रिंटर और अन्य डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। मामले में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और अन्य संभावित पीड़ितों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि किसी भी सरकारी नौकरी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ऑफर से सावधान रहें।

रायपुर-भिलाई में तेज बारिश...नेशनल हाईवे 30 पर भरा पानी,पेंड्रा में आंधी से पेड़ गिरे

रायपुर,05 मई 2026। छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई है। रायपुर और भिलाई में भी शाम को काले बादल छा गए और जोरदार बारिश हुई। कांकेर के चारामा में मूसलाधार बारिश से नेशनल हाईवे 30 पर पानी भर गया। इस दौरान कुछ घंटे के लिए बिजली बंद रही। गरियाबंद और जीपीएम जिले में बारिश होने से गर्मी से राहत मिली है, लेकिन पेंड्रा क्षेत्र में बिजली चली गई। यहां आंधी से गौरेला ओवरब्रिज के पास कई पेड़ टूटकर गिर गए।

मनेंद्रगढ़ के जनकपुर में बारिश का पानी लोगों के घर में घुस गया। बता दें कि मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए बारिश, तेज आंधी और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। लोगों को खराब मौसम के दौरान पेड़ों, बिजली के खंभों और खुले मैदानों से दूर रहने की सलाह दी है।

बिलासपुर में लाखों का नकली एवरेस्ट मसाला जब्त...

राजस्व विभाग की टीम ने बालाजी मूवर्स एंड पैकर्स पर मारा छापा

बिलासपुर,05 मई 2026। बिलासपुर में राजस्व विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये का संदिग्ध एवरेस्ट मसाला जब्त किया है। यह मसाला व्यापार विहार स्थित बालाजी मूवर्स एंड पैकर्स नामक व्यापारिक संस्थान से पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार, इस नकली मसाले को शहर की विभिन्न दुकानों में खपाने की तैयारी थी। राजस्व विभाग की टीम ने समय रहते दबिश देकर इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम भी मौके पर मौजूद थी।

एवरेस्ट मसाले के अधिकारीयों ने कहा ये मसाले नकली है

व्यापार विहार स्थित उस स्थान को सील कर दिया गया है,जहाँ कथित नकली एवरेस्ट मसाला रखा गया था। कार्रवाई के समय एवरेस्ट मसाले के पदाधिकारी भी मौजूद थे,जिन्होंने पुष्टि की कि यह मसाला उनके संस्थान का नहीं है।

राजस्व विभागकर रहा कार्रवाई की तैयारी

इस पुष्टि के बाद,नकली मसाला तैयार करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल, राजस्व विभाग की टीम ने दुकान और संस्थान को सील कर पंचनामा तैयार किया है और आगे की कार्यवाही जारी है। बिलासपुर के एसडीएम और अतिरिक्त तहसीलदार ने इस बात की पुष्टि की है कि नकली एवरेस्ट मसाले का एक बड़ा खेप पकड़ा गया है।

टूरिज्म बोर्ड की महिला अधिकारी से सेक्स की डिमांड

फोन करके अश्लील बातें की,व्हाट्सऐप पर न्यूड तस्वीरें भेजी,गालियां दी,एफआईआर दर्ज

रायपुर,05 मई 2026। रायपुर में टूरिज्म बोर्ड की महिला अधिकारी से फोन पर सेक्स की डिमांड की गई है। आरोप है कि अज्ञात नंबर से कॉल आया, शख्स महिला से उनके निजी जीवन के बारे में पूछने लगा। उससे संबंध बनाने की बात कही। महिला ने विरोध किया तो गाली-गलौज की। इसके बाद व्हाट्सऐप पर अपनी न्यूड फोटो भी भेजी। महिला अधिकारी ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अश्लील कॉल करने और आपत्तिजनक फोटो भेजने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पीड़िता के शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। टिकरापारा पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने बताया कि 30 अप्रैल की सुबह एक अज्ञात नंबर से उन्हें कॉल आया। कॉल करने वाले

व्यक्ति ने आपत्तिजनक बातें करते हुए पीड़िता के निजी जीवन से जुड़े सवाल पूछे और सेक्स की डिमांड की। महिला ने जब इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उसे गालियां देना शुरू कर दिया। इसके बाद 4 मई की सुबह फिर उसी नंबर से कॉल और व्हाट्सऐप मैसेज आने लगे। इस बार आरोपी ने अपनी नग्न तस्वीरें भेजकर महिला को मानसिक रूप से परेशान किया। पीड़िता के अनुसार इस घटना का असर उनकी निजी जिंदगी पर भी पड़ रहा है।

इनोवेशन महाकुंभ 1.0 बस्तर को इनोवेशन हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर,05 मई 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जगदलपुर में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र में प्रतिभा और संभावनाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल सही मंच, मार्गदर्शन और अवसर की है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को नवाचार और उद्यमिता के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म मिल रहा है। मुख्यमंत्री साय ने बस्तर के समग्र विकास के लिए तैयार रोडमैप का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें रोजगार, शिक्षा, स्टार्टअप और अधोसंरचना का विशेष ध्यान रखा गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि 'नियद नेल्ला नार योजना' का विस्तार कर इसे 'नियद नेल्ला नार 2.0' के रूप में 10 जिलों में लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ को

इनोवेशन हब बनाने के उद्देश्य से 'नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-30' लागू की गई है। इस नीति के तहत युवाओं को आइडिया से लेकर व्यवसाय विस्तार तक हर स्तर पर सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता जैसी सुविधाओं से स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विकसित छत्तीसगढ़ का मार्ग विकसित बस्तर से होकर जाता है। उन्होंने कहा कि बस्तर में आदिवासी कला, लघु वनोपज, जैविक कृषि, पर्यटन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें तकनीक, ब्रांडिंग और ई-कॉमर्स से जोड़कर नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बस्तर में पर्यटन के बढ़ने से होमस्टे, स्थानीय गाइड, हस्तशिल्प और वनोपज की मांग बढ़ेगी, जिससे गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्वास जताया कि बस्तर का युवा उद्यमिता के माध्यम से विकसित बस्तर, विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा। कार्यक्रम में नवाचार करने वाले बेस्ट आइडिया और बेस्ट स्टार्टअप के विजयी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि, प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि उद्यमिता और स्वरोजगार को अपनाकर युवा आगे बढ़ें, ताकि अपने घर-परिवार को खुशहाल बना सकें। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि इस इनोवेशन महाकुंभ के माध्यम से युवाओं को एक मंच मिला है, जिससे वे अपने नवाचार को आगे बढ़ाने के साथ ही आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वयं का व्यवसाय या स्वरोजगार स्थापित कर नौकरी देने वाले बनें और अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनें।

लग्जरी कार से हो रही थी गांजा तस्करी...ओडिशा से महाराष्ट्र में थी बेचने की तैयारी,पुलिस के हत्थे चढ़े तीन तस्कर

धमतरी,05 मई 2026। छत्तीसगढ़ की धमतरी पुलिस की ओर से मादक पदार्थ और अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। सोमवार को चेकिंग के दौरान एक कार की डिक्की से साढ़े 27 लाख रुपए का गांजा बरामद किया गया। साथ ही तीन तस्करों को भी पकड़ा गया। यह पूरा मामला सिहावा थाना क्षेत्र का है।

चेकिंग अभियान में पकड़ाया गांजा

दरअसल, सोमवार को सांकरा नाका के पास चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान मैनपुर की ओर से आ रही रेनॉल्ट डस्टर कार क्रमांक MH 45 AD 9001 को रोका गया। पुलिस ने जब उस कार की डिक्की की तलाशी ली, तो 38 पैकेटों में भरा 54.970 किलोग्राम गांजा मिला, जिसकी कीमत 27 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है।

तीन तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

इसी के साथ ही पुलिस ने महाराष्ट्र में रहने वाले अमोल अरुण ओढ़ेकर (33), तनिष गायकवाड (19) और ऋषिकेश (23) को

गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से रेनॉल्ट डस्टर कार और चार मोबाइल जब्त किया है। वहीं आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि गांजा को ओडिशा के बलांगीर से खरीदकर महाराष्ट्र के नासिक ले जा रहे थे।

फिलहाल पुलिस ने तीनों आरोपियों को धारा 20(बी) NDPS के तहत गिरफ्तार कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। बता दें कि 15 दिन पहले ही सांकरा चेक पोस्ट/नाके पर सिहावा पुलिस और वन विभाग की टीम ने गांजा तस्करों पर कार्रवाई की थी।

इस दौरान टीम ने 63 लाख 54 हजार 500 रुपए का 127.09 किलोग्राम गांजा, एक कार, दो मोबाइल और 1500 रुपए नगद बरामद किया था। तस्कर गांजा को ओडिशा से महाराष्ट्र ले जा रहे थे।

श्रीराम-केयर अस्पताल में कॉन्स्टेबल की मौत,मजिस्ट्रियल जांच शुरू...

बिलासपुर,05 मई 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में श्रीराम केयर अस्पताल में पथरी के इलाज के दौरान सरकंडा थाने में पदस्थ आरक्षक सत्यकुमार पाटले की मौत का मामला अब विवादों में घिर गया है। परिजनों के आरोप और हंगामे के बाद जिला प्रशासन ने मामले की मजिस्ट्रियल जांच शुरू कर दी है। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट और नायब तहसीलदार आकाश गुप्ता ने परिजनों के बयान दर्ज किए। परिजनों ने बताया कि इलाज के दौरान गंभीर लापरवाही बरती गई, जिसके कारण मरीज की हालत बिगड़ती गई। अस्पताल के डॉक्टरों ने पहले किडनी में इंफेक्शन होने की बात कही थी। जबकि बाद में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया। वहीं पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं, जिसके चलते सिम्स के चार डॉक्टरों की टीम ने बिसरा जांच कराने की

सलाह दी है। परिजनों ने मामले को दबाने की साजिश का आरोप लगाते हुए कहा है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे। इस मामले की निष्पक्ष जांच हो और किसी तरह का आरोप न लगे,इसलिए सिम्स प्रबंधन ने पोस्टमार्टम के लिए चार डॉक्टरों की टीम गठित की थी। पीएम की पूरी प्रक्रिया का वीडियोग्राफी भी कराई गई है। सोमवार की शाम डॉक्टरों ने पीएम रिपोर्ट पुलिस को दे दी है, जिसमें उन्होंने मौत के कारणों का कोई उल्लेख ही नहीं किया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)